लखनऊ

शनिवार, 28 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 214

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"सपने हर रोज़ याद करो, क्योंकि जो रोज़ याद रहते हैं वे ही एक दिन सच बनते हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

भीषण सड़क हादसा : तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मचाई तबाही, 5 लोगों की मौत; 4 घायल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में थाटीपुर स्थित जैन मंदिर के पास बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना रात करीब 3 बजे बस स्टैंड के पास हुई। पुलिस के अनुसार, स्कॉर्पियो चला रहा ड्राइवर पहले बस स्टैंड के पास एक वाहन से टकराया। इसके बाद उसने नियंत्रण खो दिया और जैन मंदिर के नजदीक एक ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में इंद्रजीत शाक्य (55), लीला (52), शुभम (30), प्रीति कश्यप (60) और शगुन की मौत हो गई। वहीं, प्रीति (20), प्रियांश (5), आरव (6) और एक अज्ञात व्यक्ति घायल हो गए हैं। सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। टक्कर इतनी भीषण थी कि 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है और उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना बताई जा रही है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

कई जिलों में बारिश, बुंदेलखंड और रायबरेली में गिरे ओले, 38 जिलों में अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार को मौसम ने फिर करवट ली। अवध के जिलों में सुबह तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई। लखनऊ, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, अमेठी, अंबेडकरनगर में बूंदाबांदी हुई। रायबरेली में ओले गिरे। अयोध्या और सुल्तानपुर में धूल भरी आंधी के बाद हल्की बारिश हुई। बुंदेलखंड के बांदा-चित्रकूट, हमीरपुर और जालौन में भी शुक्रवार शाम तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले पड़े। कानपुर और आसपास के औरैया, कानपुर देहात, उन्नाव और हरदोई में भी दिन में रुक-रुक कर बूंदा-बांदी होती रही। बारिश से गेहूं, सरसों, चना, लाही और अरहर की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर किसानों को राहत पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-पाकिस्तान से आ रहीं हवाओं ने यूपी में प्रवेश किया। इससेबूंदाबांदी की शुरुआत हुई। 29 मार्च को दूसरा विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होगी। 40-50 की रफ्तार से हवा चलेगी। 3C तक पारा गिरेगा। वहीं, 38 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

कोई लॉकडाउन नहीं, टीम इंडिया की तरह काम करना है...

पश्चिम एशिया संकट पर बैठक में मुख्यमंत्रियों से बोले PM मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया के हालात पर पीएम मोदी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअली मीटिंग की, जो कि करीब सवा दो घंटे चली। इस दौरान प्रधानमंत्री ने राज्यों से उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने कहा, टीम इंडिया की तरह सबको मिलकर काम करना होगा। कोई लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। पीएम ने भरोसा जताया कि टीम इंडिया के तौर पर मिलकर काम करते हुए, देश इस हालात से उबरेगा और कामयाब होगा।

पीएम ने जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकताएं आर्थिक और व्यापार में स्थिरता बनाए रखना, एनर्जी सिक्योरिटी पक्का करना, नागरिकों के हितों की रक्षा करना और इंडस्ट्री और सप्लाई चेन को मज़बूत करना हैं। उन्होंने राज्यों से सप्लाई चेन को ठीक से चलाने और जमाखोरी और मुनाफाखोरी के खिलाफ कड़े कदम उठाने की अपील की।

पीएम ने एग्रीकल्चर सेक्टर में खासकर फर्टिलाइज़र स्टोरेज और डिस्ट्रीब्यूशन की मॉनिटरिंग में एडवांस प्लानिंग की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। बदलते हालात पर तुरंत जवाब देने के लिए सभी लेवल पर मज़बूत कोऑर्डिनेशन सिस्टम की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। शिपिंग, ज़रूरी सप्लाई और समुद्री ऑपरेशन से जुड़ी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए बॉर्डर और तटीय राज्यों पर खास ध्यान देने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने अफवाहें फैलाने के खिलाफ आगाह किया। सही और भरोसेमंद जानकारी फैलाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्रियों ने हालात से निपटने के लिए पीएम की लीडरशिप में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ोतरी के बीच फ्यूल पर एक्साइज़ ड्यूटी कम करने के फ़ैसले का स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा मुख्यमंत्रियों में चंद्रबाबू नायडू, विष्णु देव सहाय, रेवंत रेड्डी, योगी आदित्यनाथ, उमर अब्दुल्ला, भगवंत मान, मोहन यादव, हेमंत सोरेन, पुष्कर सिंह धामी, भूपेंद्र पटेल, देवेंद्र फड़णवीस और मोहन चरण मांझी शामिल हुए।

मुख्यमंत्रियों ने मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई

मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीज़ल और LPG की पर्याप्त उपलब्धता के साथ स्थिति स्थिर बनी हुई है। स्थिति को प्रभावी ढंग से मैनेज करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बता दें किइस बैठक में उन राज्यों के मुख्यमंत्री नहीं शामिल हुए, जहां आचार संहिता लागू है और अगले कुछ दिनों में चुनाव होने हैं।

पश्चिम एशिया के हालात बेहद चिंताजनक

बता दें कि पश्चिम एशिया के हालातों को देखते हुए पीएम मोदी लगातार दुनिया के तमाम देशों से बातचीत कर रहे हैं। इस मुद्दे पर वो संसद के दोनों सदनों को भी संबोधित कर चुके हैं। संसद में पीएम ने कहा था कि पश्चिम एशिया के हालात इस समय बेहद चिंताजनक हैं। इस संकट को तीन सप्ताह से अधिक का समय हो गया है। इस संकट से सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जूझ रही है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा असर

पीएम ने कहा था, इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। भारत के लिए यह युद्ध आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय, तीनों स्तरों पर अप्रत्याशित चुनौतियां लेकर आया है। कच्चे तेल और गैस की जरूरतों के साथ-साथ, खाड़ी के देशों में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। उनकी सुरक्षा भारत सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संकट के समय सरकार ने लिया बड़ा फैसला

इस संकट के समय केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। हालांकि, इससे ईंधन के खुदरा दाम में कोई बदलाव नहीं होगा। कंपनियां इसका उपयोग कच्चे माल की बढ़ी लागत की भरपाई के लिए करेंगी।

मुख्यमंत्रियों ने बैठक में क्या कहा?

वहीं, मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के बीच ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने और राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन बढ़ाने के फैसलों का स्वागत किया। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उलब्धता के कारण स्तिति स्थिर बनी हुई है। उसी दिन एक मीडिया कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद भी चुनौतियां लगातार बढ़ती रही हैं और ऐसा कोई साल नहीं रहा जब भारत और भारतीयों की परीक्षा न हुई हो।

35 साल के बालेन शाह नेपाल के नए 'नायक', सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली

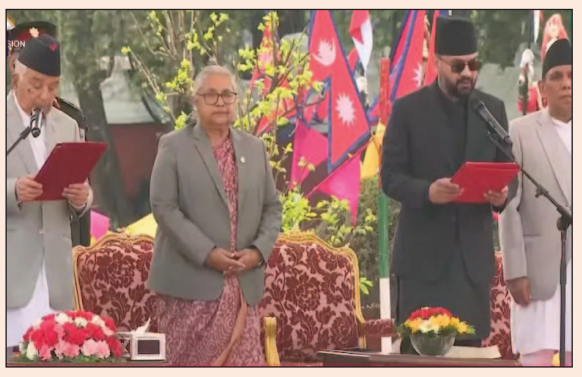

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन युग की शुरुआत हो गई है। 35 साल के बालेंद्र शाह उर्फ बालेन नेपाल ने 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं, उन्होंने पीएम पद की शपथ ले ली है।राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संविधान के नियमों के तहत बालेन को नेपाल के नए प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने शुक्रवार को काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के पूर्व मेयर शाह बालेन शाह को संविधान के आर्टिकल 76(1) के तहत इस पद पर नियुक्त किया। शपथ समारोह राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में हुआ। बालेन के साथ उनके मंत्रिमंडल का भी शपथ ग्रहण हुआ। ये शपथ ग्रहण काफी खास रहा।

राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने शुक्रवार को काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के पूर्व मेयर शाह बालेन शाह को संविधान के आर्टिकल 76(1) के तहत इस पद पर नियुक्त किया. गुरुवार को आरएसपी ने शाह को अपनी पार्लियामेंट्री पार्टी का लीडर चुना, जिससे उनके देश के 47वें प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया. बता दें, आरएसपी ने हाल के पार्लियामेंट्री चुनावों में लगभग दो-तिहाई बहुमत से बड़ी जीत हासिल की थी.

बालेन शाह ने ली नेपाल के पीएम पद की शपथ

बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने 5 मार्च को हुए चुनाव में 275 में से 182 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। अब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। इस दौरान बालेन शाह ने नेपाली टोपी लगाई हुई थी। मंच पर बालेन शाह के पास वाली कुर्सी पर नेपाल की कार्यकारी पीएम सुशला कार्की बैठी हुई थीं। शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर कई अन्य खास मेहमान भी नजर आए।

बालेन शाह ने शुक्रवार दोपहर 12:34 बजे राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पद और गोपनीयता की यह शपथ हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर सात शंखनादकों ने शंख ध्वनि के साथ मांगलिक शुरुआत की। परंपरा के अनुसार, शुभ कार्यों के आरंभ में शंखनाद को सफलता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने भेजा बधाई संदेश, कहा- संबंधों को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' को शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं। रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने लगभग लगभग छह महीने बाद हुआ है। ओली सरकार को एक युवा पीढ़ी के विरोध प्रदर्शन में हटा दिया गया था। मोदी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर श्री बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए भरोसे को दर्शाती है। मैं हमारे दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं।' 35 वर्षीय राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। वह देश में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। बालन मधेश क्षेत्र से शीर्ष कार्यकारी पद संभालने वाले पहले व्यक्ति भी हैं।

हम दोनों काम पूरा करके दिखाते हैं, मिडिल ईस्ट तनाव के बीच ट्रंप ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें काम पूरा करने वाले नेता बताया था। इसके साथ ही, दूतावास ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दूतावास के सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी टाइमिंग और मैसेज की वजह से ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता। यह अपडेट दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत के बाद आई है। मंगलवार को टेलीफोनिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने ईरान संघर्ष को लेकर अहम चर्चा की। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया के हालात पर विचारों का अच्छा लेन-देन हुआ। भारत जल्द से जल्द डी-एस्केलेशन और शांति बहाली का समर्थन करता है। यह सुनिश्चित करना कि होर्मुज स्ट्रेट खुला, सुरक्षित और एक्सेसिबल रहे, पूरी दुनिया के लिए जरूरी है।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को राहत देने वाला और जन-केंद्रित : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सरकार की जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब पश्चिम एशिया संकट के बीच पूरी दुनिया ईंधन की कमी से जूझ रही है और कीमतें वैश्विक स्तर पर बढ़ रही हैं, ऐसे समय में मोदी सरकार का ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को बहुत जरूरी राहत देता है। अमित शाह ने पोस्ट में आगे लिखा, जहां कई देशों ने डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं, वहीं मोदी सरकार का एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। इस

फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लिखा, मौजूदा उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बहुत ही साहसी और संवेदनशील फैसला लेकर स्थिति को संभाला है। उन्होंने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दी है, जिससे आम आदमी को बहुत बड़ी राहत मिली है।

उन्होंने आगे लिखा, जैसे कोविड महामारी के दौरान भारत ने बाकी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम की थी, वैसे ही मौजूदा समय में भी प्रधानमंत्री मोदी ने रास्ता दिखाया है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पोस्ट में कहा, हर नागरिक के लिए एक बड़ी राहत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ईंधन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती की है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, खामेनेई के पोस्टर लहराए; विधायकों में हुई धक्का-मुक्की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर हंगामा देखने को मिला। नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ नेता उनकी तस्वीर लेकर सदन में पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान खामेनेई के पोस्टर भी लहराए गए।

सदन में इसी बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई, जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि विवाद भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद शुरू हुआ। दरअसल, कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इसके जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई। अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की शीर्ष स्तर पर निंदा होनी चाहिए। उन्होंने ईरान के लोगों के प्रति समर्थन भी जताया।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइड ड्यूटी में कटौती, कांग्रेस बोली- सरकार मूर्ख नहीं बनाए, लोगों को वास्तविक राहत दे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की मदद के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद फी घटाए जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि सरकार को सुर्खियां बटोरने और लोगों को मूर्ख बनाने के बजाय उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत देना चाहिए। सरकार ने वेस्ट एशिया में जारी जंग की वजह से कच्चे तेल की वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतों से निपटने में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) जैसी तेल विपणन कंपनियों की मदद करने के लिए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया है और डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

कांग्रेस के मीडिया सेल के चीफ

पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "अगर आपने पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम होने की सुर्खियां देखीं और सोचा कि सरकार ने आपकी जेब को राहत दी है तो आप गलत हैं। फिलहाल, डीलरों और उपभोक्ताओं के लिए कीमतें समान हैं।" उन्होंने कहा कि असल में विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को कम किया गया है जो तेल विपणन कंपनियों द्वारा सरकार को भुगतान किए जाने वाला शुल्क है।

शुल्क घटाने पर क्या बोली कांग्रेस

कांग्रेस नेता ने कहा, "पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल विपणन कंपनियां घाटा झेल रही हैं। सरकार अब सिर्फ उस बोझ का एक छोटा सा हिस्सा साझा करने पर सहमत हुई है, लेकिन विशेष अतिरिक्त शुल्क को कम कर रही है, वह भी लगभग एक महीने बाद।" उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए राहत सिर्फ कहानियों में है, वास्तविकता में नहीं है।

लोगों को बेवकूफ बनाने की बजाय असल राहत दे सरकार

कांग्रेस ने केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर घेरते हुए सीधे कस्टमर को राहत देने की मांग की है। खेड़ा ने दावा किया, "सरकार को सुर्खियां बटोरने और लोगों को बेवकूफ बनाने के बजाय उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत देने पर ध्यान देना चाहिए।"

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती पर विपक्षी दलों के सांसदों ने जताया असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती करने के फैसले के बाद विपक्ष के सांसदों ने असंतोष व्यक्त किया है। सांसदों का कहना है कि टैक्स में छूट मिलनी चाहिए थी, जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सरकार का राजस्व जनता से ही आता है, जो टैक्स के रूप में इक_ा किया जाता है। अगर सरकार एक्साइज ड्यूटी में कटौती करती है तो वह अपने पैसों से कुछ नहीं दे रही बल्कि लोगों की जेब से इक_ा किए गए पैसे ही सरकार का राजस्व बनते हैं। सरकार को इस कटौती का इतना प्रचार करने की आवश्यकता क्यों है। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि कीमतों में थोड़ी कटौती हुई है, लेकिन फिर भी ये तेल और एलपीजी

जैसी आवश्यक वस्तुएं अब भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। चाहे एलपीजी हो, पेट्रोल हो या डीज़ल, हर जगह लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। मीसा भारती ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की भारी कमी के कारण जनता को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है। पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें और उपलब्धता की कमी आम आदमी की रोजमर्रा की जिन्दगी को प्रभावित कर रही है। वहीं, टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले तीन हफ्तों तक सरकार दावा कर रही थी कि तेल और गैस की सप्लाई पर्याप्त है लेकिन अब जब स्थिति आपातकालीन बन गई है, तभी सरकार ने एक्साइज़ ड्यूटी कम की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की विफलता को दर्शाता है। विशेष रूप से एलपीजी की भारी कमी को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की और बताया कि इससे छोटे उद्योग, रेस्टोरेंट, मजदूर, छात्र और बुज़ुर्ग सभी प्रभावित हो रहे हैं। पहले कुछ नहीं किया गया और अब जब यह एक आपातकाल बन गया है, तब सरकार हरकत में आई है। यह साफ़ तौर पर उसकी विफलता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पहले ध्यान दे देती तो आज देश में इतनी परेशानी न होती, देश के हालात खराब होने पर इनको देश की याद आती है।

तस्वीरों में सीएम योगी का कन्या पूजन

पांव पखारकर मुख्यमंत्री ने कराया भोजन, दक्षिणा और उपहार दिए, लिया आशीष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कन्या पूजन किया गया। उन्होंने मां सिद्धिदात्री की पूजा की और नौ छोटी कन्याओं के पैर धोकर, उन्हें तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और भोजन (प्रसाद) कराकर आशीर्वाद लिया, जो नारी शक्ति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, मां दुर्गा के नौ दिनों के अनुष्ठान की पूर्णाहुति आज होगी। नवरात्रि की नवमी तिथि सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली, सुख और समृद्धि को लाने वाली, खुशहाली प्रदान करने वाली तिथि मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देता हूं। उन सबके जीवन में मां की कृपा सदैव बनी रहे, उनके जीवन में खुशी और समृद्धि हो इसकी शुभकामनाएं मैं प्रदेशवासियों को देता हूं। नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का पावन जन्म उत्सव भी रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम भारत के सनातन धर्म की परंपरा में भारतीय जीवन पद्धति के एक अत्यंत आदर्श के रूप में हर भारतीय के लिए सदैव प्रेरणा रहे हैं।

चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की आराधना के बाद सीएम योगी, देवी स्वरूपा कन्याओं का पांव पखारकर उनका पूजन किया। उन्हें भोजन कराने के साथ दक्षिणा व उपहार प्रदान किया, कन्या पूजन के साथ उन्होंने बटुक भैरव का भी पूजन किया। कन्या पूजन का अनुष्ठान सुबह से शुरू हुआ। नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णता के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनवमी पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में दोपहर में श्रीराम जन्मोत्सव मनाएंगे।

अष्टमी तिथि पर मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार रात गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार, हवन व आरती के साथ मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान पूर्ण किया और मां आदिशक्ति जगतजननी से प्रदेशवासियों के मंगल की प्रार्थना की। चैत्र नवरात्र के पहले ही दिन से गोरखनाथ मंदिर में देवी आदिशक्ति भगवती के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। बुधवार को गोरखपुर आए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर बृहस्पतिवार रात में मां महागौरी की विधि विधान से आराधना की। इसके बाद उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार अष्टमी का हवन किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ महाष्टमी की आराधना पूर्ण हुई।

इलाज के दौरान आरक्षी की मौत, मचा कोहराम

कुड़वार/सुल्तानपुर। बीते दिनों तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती आरक्षी की इलाज के दौरान मौत हो गई।घटना से परिवार में कोहराम मच गया। आरक्षी की मौत की सूचना पर पुलिस कर्मियों ने श्रद्धांजलि देते हुए शव को कंधा देकर अंतिम विदाई दी। बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के मढ़हा गांव निवासी कपिल दूबे (35)पुत्र प्रेम शंकर दूबे सीतापुर जिले के तंबौर थाने के दलपतपुर चैकी पर तैनात थे। बीते 21 मार्च को उनकी तबीयत खराब हुई तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान गुरुवार को आरक्षी की मौत हो गई।मौत की सूचना पर उनके परिवार में कोहराम मच गया। मृतक सिपाही 2018 बैच का था। देर शाम पैतृक निवास मढ़हा शव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

एसआईआर की मजबूती, पीडीए और सर्वसमाज का रोष ही अखिलेश को बनाएगा सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी के इस दावे ने उत्तर प्रदेश की राजनीतिक गलियारों में चर्चा का तापमान और बढ़ा दिया है। सुल्तानपुर से समाजवादी अधिवक्ता सभा उत्तर प्रदेश के सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, बार एसोसिएशन सुल्तानपुर ने कहा कि सत्ता पक्ष ने गरीब, मजलूम, पिछड़े, वंचित, अगड़े, महिलाओं समेत पूरे समाज को लाइन में खड़ा कर दिया है।

चाहे बात गैस सिलेंडर की हो, पेट्रोल-डीजल की, खाद-बीज की, या फिर कोरोना काल, नोटबंदी और एसआईआर जैसे फैसलों की केंद्र और प्रदेश की सरकारों ने आजादी के बाद पहली बार जनता को इतनी लंबी-लंबी लाइनों में खड़ा किया है। अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट ने भविष्यवाणी की कि 2027 में लोकसभा चुनाव की तरह चैंकाने वाला परिणाम सामने आएगा। 2012 की तरह नए चेहरे को तरजीह मिलेगी और समाजवादी पार्टी पांचों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के सिपाही दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। गांव से लेकर सड़क तक संघर्ष जारी है। धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन देने का सिलसिला लगातार चल रहा है। सपा के युवा संगठन के जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद, शिव मंगल तिवारी, भजन यादव और यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट स्वयं कंधे से कंधा मिलाकर इस संघर्ष में जुटे हुए हैं।

बच्ची ने जब सीएम योगी को भेंट किया 'बुलडोजर' : मुख्यमंत्री ने मासूम को किया दुलार, खिंचवाई फोटो, कही ये बात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक में निर्देशित किया, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने कहा कि किसी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त

जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए। इस दौरान कानपुर की रहने वाली पांच वर्षीय यशस्विनी ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर दिया। मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब बच्ची से पूछा कि मुख्यमंत्री ने आपको क्या दिया तो बच्ची ने बताया कि सीएम ने उसे चॉकलेट दी है। जो खिलौना बच्ची ने दिया था सीएम ने उसे लेने के बाद हंसते हुए वापस लौटा दिया। बच्ची ने बताया कि सीएम ने उससे कहा कि खूब पढ़ाई करना और बुलडोजर से खेलना। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देते हुए कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है। अधिकारी यह यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। अधिकारियों को निर्देशित करने के साथ ही सीएम योगी ने लोगों को लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। अस्पताल से इलाज का इस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्ध करा देगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार, आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

गंगा स्नान करने गए चार बच्चे डूबे, दो के शव बरामद, अन्य की तलाश जारी, बामपुर घाट पर हुआ हादसा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर गांव स्थित गंगा घाट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने गए सात बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना में तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार बच्चे गंगा की तेज धारा में समा गए। इनमें से दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो बच्चों की तलाश जारी है।

बामपुर गांव निवासी मोहित (13) पुत्र दिगविजय, दिव्यांशु (16) पुत्र कमलेश, अमन (9) पुत्र कृष्ण कुमार, कुनाल (12) पुत्र अनिल, निहाल (10) पुत्र अनिल, दीपक (17) पुत्र राजाराम और ऋषभ (10) पुत्र कमलेश शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक गहराई में जाने से सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और मोहित, दिव्यांशु व अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुनाल, निहाल, दीपक और ऋषभ गंगा की लहरों में बह गए। काफी प्रयास के बाद कुनाल और दीपक के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि निहाल और ऋषभ का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर प्रभारी थाना निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी व भारतगंज चौकी प्रभारी सुभाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता बच्चों की तलाश जारी।

विविधता में एकता का संदेश देता है प्रभु श्री राम का जीवन : प्रो हरिशंकर मिश्रा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कादीपुर/सुल्तानपुर। स्थानीय संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर के संस्थापक अध्यक्ष कर्मयोगी स्वर्गीय पंडित रामकिशोर त्रिपाठी की 102वीं जयंती एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मदिवस के रूप में रामनवमी के अवसर पर मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो हरिशंकर मिश्रा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह कितना दूर्लभ संयोग है एक तरफ समाज को शैक्षिक जीवन की सीख व सुविधा प्रदान करने वाले की तो सम्पूर्ण सनातन जनमानस को मर्यादा सामाजिकता, सौहार्द, प्रेम न्याय व आपसी भाईचारा का सन्देश देने वाले प्रभु श्रीराम का भी जन्मदिवस का अनुपम महोत्सव एक ही तिथि पर है।

प्रो मिश्रा ने अपने सम्बोधन में कहा कि रामनवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। यह भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में जाना जाता है, जिन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। श्री राम अवतार का मुख्य उद्देश्य धर्म की स्थापना, रावण जैसे अधर्मी शक्तियों का संहार और सत्य-न्याय की रक्षा करना था। रामायण में वर्णित उनके जीवन से हमें मर्यादा, कर्तव्य, सत्य, करुणा, विनम्रता और परिवारिक मूल्यों की प्रेरणा मिलती है। वर्तमान समय के तेज़-रफ्तार, तनावपूर्ण और मूल्य-हीन होते जा रहे युग में रामनवमी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण और जीवन-दर्शन का प्रतीक है। आज जब व्यक्तिगत स्वार्थ, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन आम है, राम हमें सिखाते हैं कि कर्तव्य से कभी समझौता न करने की सीख दिया, उन्होंने पिता की आज्ञा मानकर 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया, भाईचारे का आदर्श प्रस्तुत किया और पत्नी सीता के प्रति समर्पण दिखाया। आधुनिक जीवन में यह रिश्तों की मर्यादा, ईमानदारी और संयम सिखाता है। रामराज्य आदर्श शासन का प्रतीक थाकृ जहां न्याय, समानता, कोई भेदभाव नहीं और प्रजा सुखी थी। आज के लोकतंत्र, राजनीति और कॉर्पोरेट जगत में नैतिक नेतृत्व, सेवा-भाव और समावेशिता की जरूरत है। प्रभु श्री राम हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा नेता वह है जो सत्य और धर्म पर अडिग रहे, भले ही व्यक्तिगत त्याग करना पड़े। राम का जीवन हमें सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए संबल प्रदान करता है। राम का जीवन विविधता में एकता का संदेश देता है। वे सभी वर्गों (वानर सेना, रीछ, आदि) को साथ लेकर चले। आधुनिक भारत में, जहां सामाजिक-धार्मिक तनाव बढ़ रहे हैं, रामनवमी सद्भाव, करुणा और समानता का संदेश मजबूत करती है। यह हमें सिखाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय पाती है। व्यक्तिगत विकास और मानसिक स्वास्थ्य के सन्दर्भ में प्रभु श्रीराम का जीवन एक मार्गदर्शक का रहा है। महाविद्यालय प्रबन्ध सौरभ त्रिपाठी द्वारा आये हुए अतिथियों का माल्यार्पण व अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया व प्राचार्य प्रो आर एन सिंह ने सभी आये हुए अतिथियों व शिक्षक शिक्षिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व छात्र छात्राओ के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य प्रो इन्दुशेखर उपाध्याय, पूर्व प्राचार्य डॉ अब्दुल रसीद, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ ओंकारनाथ द्विवेदी, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ सुशील कुमार पाण्डेय साहित्येन्दु, विजय शंकर मिश्र भास्कर, पूर्व प्राचार्य गनपत सहाय पीजी कॉलेज डॉ अरूण कुमार मिश्रा, रामपूजन तिवारी, रमाशंकर मिश्रा, गौरव त्रिपाठी, मनीष तिवारी, संजय तिवारी, समाजसेवी जितेन्द्र सिंह, सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं शिक्षणेत्तर कर्मचारी व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

यूपी के दो धुरंधर आईपीएस अधिकारियों की हुई सगाई... बाड़मेर में होगी कृष्ण बिश्नोई–अंशिका वर्मा की हल्दी रस्म

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश कैडर के दो चर्चित और धाकड़ IPS अधिकारियों की सगाई ने सोशल मीडिया से लेकर प्रशासनिक हलकों तक सुर्खियां बटोर ली है। गुरुवार रात संभल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में 2018 बैच के आईपीएस कृष्ण कुमार बिश्नोई और 2021 बैच की आईपीएस अंशिका वर्मा ने एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई। सगाई का यह कार्यक्रम बेहद निजी लेकिन गरिमामय रहा। रात करीब 9:30 बजे शुरू हुई रस्में देर रात 11 बजे तक चलीं।

इस मौके पर संभल के डीएम डॉ। राजेंद्र पैंसिया सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश और लखनऊ के कई वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। दोनों ही अधिकारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच अंगूठियों का आदान-प्रदान किया और आए हुए अतिथियों का अभिवादन स्वीकार किया। यही नहीं,

दोनों ने 'अगर तुम कहो' गाने पर रोमांटिक परफॉर्मेंस भी दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है।

गोरखपुर से शुरू हुआ था प्रेम का सफर

इन दोनों अधिकारियों की प्रेम कहानी साल 2023 में गोरखपुर से शुरू हुई थी। उस समय कृष्ण कुमार बिश्नोई वहां एसपी सिटी के पद पर तैनात थे, जबकि अंशिका वर्मा अपनी ट्रेनिंग (अंडर ट्रेनिंग आईपीएस) पूरी कर रही थीं। ड्यूटी के दौरान हुई मुलाकातों ने धीरे-धीरे दोस्ती और फिर प्यार का रूप ले लिया। अब यह जोड़ा शादी के पवित्र बंधन में बंधने जा रहा है।

राजस्थान में मचेगी शादी की धूम

सगाई के बाद अब विवाह की रस्में राजस्थान के रेतीले धोरों और शाही रिजॉर्ट्स में संपन्न होंगी। 27 मार्च को बाड़मेर के धोरीमन्ना में हल्दी और संगीत का कार्यक्रम किया जाएगा। 28 मार्च को बारात सभा और अन्य पारंपरिक रस्में होंगी। फिर 29 मार्च को मुख्य विवाह समारोह (फेरे) होगा। 30 मार्च को जोधपुर के प्रसिद्ध लारिया रिजॉर्ट में ग्रैंड रिसेप्शन, जिसमें कई राज्यों के वीआईपी मेहमान शिरकत करेंगे।

चर्चा में रहते हैं दोनों अधिकारी

कृष्ण कुमार बिश्नोई (32 वर्ष) मूल रूप से राजस्थान के बाड़मेर के रहने वाले हैं, वहीं अंशिका वर्मा (30 वर्ष) प्रयागराज (यूपी) के सिविल लाइंस की निवासी हैं। दोनों ही अधिकारी अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी लोकप्रिय हैं। जहां अंशिका वर्मा का लंदन ठुमकदा गाने पर डांस वीडियो वायरल हुआ था, वहीं कृष्ण बिश्नोई की धुरंधर स्टाइल में खुली जिप्सी वाली एंट्री ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए नोएडा में हाई अलर्ट, रूट प्लान से पार्किंग तक... ऐसी है तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 28 मार्च को होना है। इस कार्यक्रम को लेकर पूरे गौतम बुद्ध नगर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन करेंगे। यह सिर्फ एक उद्घाटन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का बड़ा आयोजन है, जिस पर लाखों लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट, ट्रैफिक विभाग और खुफिया एजेंसियां मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी हैं। पूरे क्षेत्र को एक तरह से हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सबसे पहले वह एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे और वहां की तैयारियों का जायजा लेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 12:00 बजे प्रधानमंत्री एयरपोर्ट के पहले चरण का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

उद्घाटन के बाद वह जनसभा स्थल की ओर जाएंगे, जहां बड़ी संख्या में लोगों को संबोधित करेंगे। माना जा रहा है कि जनसभा में क्षेत्र विकास, रोजगार और एयरपोर्ट से जुड़ी योजनाओं पर विशेष फोकस रहेगा।

SPG के हाथ में सुरक्षा, कई एजेंसियां तैनात

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले एसपीजी ने उनके कार्यक्रम स्थल की कमान संभाल ली है। उनके साथ स्थानीय पुलिस, पीएसी, ट्रैफिक पुलिस और खुफिया एजेंसियों के हजारों जवान तैनात किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर जनसभा स्थल तक हर रूट को सैनिटाइज किया गया है।

ड्रोन कैमरों और हाईटेक सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जा रही है। आसपास के होटल और गांवों में भी सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर बैरिकेडिंग और चेकिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके। कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विस्तृत रूट प्लान जारी किया गया है। मेरठ और गाजियाबाद की तरफ से आने वाले वाहन ईस्टर्न एक्सप्रेसवे से सिरसा गोल चक्कर पहुंचेंगे और वहां से तय मार्ग से फलैदा और दयानंतपुर गांव होते हुए पार्किंग 6 और 7 तक जाएंगे।

मथुरा और अलीगढ़ की तरफ से आने वाले वाहन यमुना एक्सप्रेसवे से जेवर टोल पहुंचेंगे और सबौता अंडरपास होते हुए किशोरपुर मार्ग से पार्किंग 9, 5 और 11 तक पहुंच सकेंगे। इसके साथ ही हापुड़, बुलंदशहर और खुर्जा की ओर से आने वाले वाहन जेवर इंटरचेंज से पार्किंग 13 और 14 तक जाएंगे, जहां से शटल बसों के जरिए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली-नोएडा वाले वाहनों के लिए खास व्यवस्था

दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और सूरजपुर से आने वाले लोगों के लिए अलग ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। ये वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से गलगोटिया कट उतरेंगे और एक्सपो मार्ट, एनएसजी गोल चक्कर होते हुए फलैदा कट और दयानतपुर पहुंचेंगे। यहां पार्किंग 7 में वाहन खड़े किए जाएंगे। भीड़ से बचने के लिए प्रशासन ने लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है। कार्यक्रम के दिन सुबह 7:00 बजे से रात 11:00 बजे तक सभी मालवाहक और कॉमर्शियल वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। टप्पल मार्ग से आने वाले वाहनों को पलवल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। सिकंदराबाद और ककोड़ से आने वाले वाहन खुर्जा से डायवर्ट होंगे। आगरा की ओर जाने वाले वाहनों को जेवर टोल से पहले ही यू-टर्न देकर अलीगढ़ और टप्पल की तरफ भेजा जाएगा।

15 जगह पार्किंग, हर वर्ग के लिए इंतजाम

जिला प्रशासन ने कार्यक्रम के लिए कुल 15 पार्किंग स्थल बनाए हैं। वीआईपी वाहनों के लिए पार्किंग 1, 2 और 3 निर्धारित की गई है। मीडिया कर्मियों के लिए पार्किंग 8 तय की गई है, जहां से उन्हें निर्धारित रूट के जरिए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पार्किंग 10 तय की गई है, वहीं बसों के जरिए आने वाले लोगों के लिए पार्किंग 15 बनाई गई है, जहां से शटल सेवाएं चलाई जाएंगी। आम जनता के लिए पार्किंग 5, 6, 7, 9, 11, 13 और 14 में व्यवस्था की गई है। पार्किंग स्थल से कार्यक्रम स्थल तक लगातार बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा जगह-जगह हेल्प डेस्क और वालंटियर तैनात किए जाएंगे, जो लोगों को सही दिशा और जानकारी देंगे।

2 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना

इस उद्घाटन को लेकर करीब 2 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है। हर रूट पर ट्रैफिक पुलिस, हर पार्किंग पर स्टाफ और हर एंट्री पॉइंट पर चेकिंग की व्यवस्था की गई है।

साथ ही यातायात से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 9971009001 जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें, समय से पहले निकलें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

माता प्रसाद हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

कुड़वार/सुल्तानपुर। बुधवार को सरे शाम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में नामजद दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के कस्बे से जुड़ा है।जहां हलियापुर सुल्तानपुर मार्ग के किनारे इंडेन गैस एजेंसी के बगल खड़े माता प्रसाद पांडेय (55) पुत्र वसिष्ठ पांडेय निवासी पूरे बेनी माधव नरवापार को गोली मार दी गई थी। जिन्हें जिला अस्पताल के चिकित्सक ने मृत घोषित किया था।मृतक के बेटे अवनीश पाण्डेय की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद सहित अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। गुरुवार को पुलिस ने नामजद आरोपी रमेश मौर्य पुत्र तुलसीराम मौर्य व अनुराग मौर्य पुत्र रमेश मौर्य निवासी गण रूपापुर थाना कुड़वार को फिरोजपुर कला जाने वाले रास्ते से रात्रि में गिरफ्तार कर लिया।

बारिश से फसलों के नुकसान का आकलन कर किसानों को दिलाएं मुआवजा, डीएम फील्ड पर उतरें: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हुई असमय बारिश से किसानों की बर्बाद हुई फसल की जानकारी लेने के साथ अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर राहत पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल कराएं। संयुक्त सर्वे कराकर फसल नुकसान की स्थिति से शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों का तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके। प्रदेश सरकार किसानों के साथ है। आपदा में उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने को कहा ताकि किसी किसान को अनावश्यक परेशानी न हो।

नुकसान का वास्तविक आकलन कराने का निर्देश

उन्होंने सभी जिलों के डीएम से फील्ड में रहकर स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराने का निर्देश भी दिया, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके। वहीं प्रमुख सचिव कृषि और राहत आयुक्त को निर्देश दिया कि फील्ड स्तर पर कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क और समन्वय बनाए रखें। सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन को उपलब्ध कराई जाएं, जिससे राहत कार्यों में देरी न हो। फसलों को हुई क्षति का आकलन प्राप्त होते ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। भुगतान व्यवस्था समयबद्ध ढंग से हो, ताकि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

एनपीएस के विरोध में एक अप्रैल को काला दिवस मनाएंगे शिक्षक-कर्मचारी, बैठक में बनाई रणनीति

लखनऊ। शिक्षकों और कर्मचारियों ने नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) के विरोध में 1 अप्रैल को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया है। अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में पारा स्थित डॉ. रामाशीष स्मृति भवन में आयोजित बैठक में इसकी रणनीति बनाई गई।

उन्होंने एनपीएस को कर्मचारियों के साथ धोखा बताते हुए कहा कि यह पेंशन नहीं, बल्कि शेयर बाजार पर आधारित असुरक्षित व्यवस्था है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव से कर्मचारियों का भारी नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने बताया कि एनपीएस के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बहुत कम पेंशन मिल रही है, जिससे महंगाई में जीवनयापन कठिन है। इसलिए शिक्षक-कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे और पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेंगे।

शहरों को जाम से मुक्ति दिलाने को खरीदे जाएंगे इंटरसेप्टर वाहन, रूट मार्शल भी किए गए तैनात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के प्रमुख शहरों को जाम से मुक्त कराने के लिए इंटरसेप्टर वाहन खरीदे जाएंगे। शासन ने 15 चार पहिया और 62 दोपहिया इंटरसेप्टर वाहन खरीदने के लिए पुलिस मुख्यालय को 9.76 करोड़ रुपये की धनराशि दी है। बीते दिनों यातायात निदेशालय ने शहरों में जाम की समस्या से निपटने के लिए इंटरसेप्टर वाहनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था।

यह कवायद डीजीपी की 10 प्राथमिकताओं के तहत की जा रही है, जिसमें सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या को 50 फीसद तक कम करने के साथ शहरों का ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर करना भी शामिल है। यातायात निदेशालय द्वारा शहरों को जाम मुक्त करने के लिए रूट मार्शल भी तैनात किए गए हैं।

वहीं, जाम लगने पर इंटरसेप्टर वाहनों को भेजकर यातायात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा इंटरसेप्टर वाहन खरीदने के बाद उन्हें यातायात निदेशालय को दिया जाएगा। ताकि उन्हें प्रमुख शहरों के जाम प्रभावित इलाकों के आसपास तैनात किया जा सके।

अलीगंज थाने में सीज 59 वाहनों की नीलामी संपन्न, सरकारी राजस्व में हुई वृद्धि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना अलीगंज पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में पूर्व से सीज किए गए वाहनों की विधिक प्रक्रिया के तहत नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। इस दौरान कुल 59 वाहनों की नीलामी की गई।यह कार्यवाही अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय के आदेश के क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज की अध्यक्षता में पूर्ण पारदर्शिता और नियमानुसार संपन्न कराई गई।नीलामी प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके सहयोग से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को निर्धारित समय में पूरा किया गया। नीलामी में निर्धारित मानकों के अनुसार बोली लगाई गई तथा उच्चतम बोली लगाने वाले प्रतिभागियों को वाहन आवंटित किए गए।इस कार्यवाही से जहां एक ओर सरकारी राजस्व में वृद्धि हुई है, वहीं थाने पर लंबे समय से खड़े सीज वाहनों के निष्पादन में भी सफलता प्राप्त हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पूरी टीम के कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाहियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।नीलामी प्रक्रिया में सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज शशि प्रकाश मिश्र अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ प्रभारी निरीक्षक अलीगंज ध्रुव कुमार एवं हेड मोहर्रिर अमर सिंह सदस्य के रूप में शामिल रहे।

महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच दे रहे ऐसे आयोजन : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गोमतीनगर स्थित सेज क्रिकेट एकेडमी में आयोजित स्वर्गीय राधिका सिंह मेमोरियल राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने टूर्नामेंट का अवलोकन करते हुए खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि आज बेटियां खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उनके भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उप मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय राधिका सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं।

इग्नू का दीक्षांत समारोह सात अप्रैल को

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह आगामी सात अप्रैल को आयोजित किया जायेगा। इसका मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन होंगे। इसी तारतम्य में इग्नू के 51 क्षेत्रीय केन्द्रों पर साथ-साथ दीक्षांत समारोह आयोजित किया जायेगा, जहाँ पर परास्नातक एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से उपाधि प्रदान की जाएगी।

यह जानकारी वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ में यह कार्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इसमें क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के 4574 अर्ह विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी । क्षेत्रीय केंद्र के समारोह में प्रो. (डॉ.) जय प्रकाश पाण्डेय, कुलपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी, लखनऊ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे । कार्यक्रम में अर्ह विद्यार्थियों के साथ इग्नू क्षेत्रीय मूल्यांकन केंद्र से वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रभारी डॉ. अश्विनी कुमार एवं इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रीना कुमारी, डॉ. अनामिका सिन्हा, डॉ. जय प्रकाश वर्मा, सहायक कुलसचिव डॉ. निशिथ नागर, सहायक निदेशक (साफ्टवेयर) अरविन्द मिश्रा, अन्य कर्मचारी गण, इग्नू अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक, सह समन्वयक और मीडिया प्रभारी भी उपस्थित रहेंगे।

संक्षेप

14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गाजियाबाद से गिरफ्तार

लखनऊ। थाना दुबग्गा पुलिस ने 14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में एक आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार 18 सितम्बर 2025 को वादी द्वारा थाना दुबग्गा पर लिखित तहरीर देकर बताया गया था कि उसकी 14 वर्षीय बहन बिना बताए घर से कहीं चली गई है। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना दुबग्गा में मुकदमा अपराध संख्या 392/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर गोविन्द पुत्र विमलेश निवासी चकसहरी थाना हसनगंज जनपद उन्नाव का नाम प्रकाश में आया, जिसके बाद मुकदमे में धारा 87 बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रभारी निरीक्षक द्वारा पुलिस टीम गठित की गई।सर्विलांस की सहायता से पुलिस टीम ने जनपद गाजियाबाद के इन्दिरापुरम क्षेत्र से किशोरी को बरामद करते हुए आरोपी गोविन्द (उम्र करीब 24 वर्ष) को 26 मार्च 2026 को शाम 6:10 बजे हिरासत में ले लिया। इसके बाद आरोपी को थाना लाकर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक धीरज भारद्वाज, कांस्टेबल विशाल सिंह तथा महिला कांस्टेबल लक्ष्मी की टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

प्रेम का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। थाना जानकीपुरम पुलिस ने प्रेम का झांसा देकर नशीला पदार्थ खिलाकर युवती के साथ दुष्कर्म करने और धमकी देने के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार 26 मार्च 2026 को वादिनी द्वारा थाना स्थानीय पर शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि आरोपी ने उसे प्रेम के झांसे में लेकर नशीला पदार्थ खिलाया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना जानकीपुरम में मुकदमा संख्या 068/2026 धारा 69, 123, 351(2), 352 बीएनएस के तहत मो. फराज पुत्र मो. नसीम निवासी ग्राम मिश्रपुर पहाड़पुर थाना महिगवां, लखनऊ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार को सौंपी गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल वादिनी का बयान दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए साक्ष्य संकलित किए। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई।गठित टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर 27 मार्च 2026 को सलीम तिराहा, जानकीपुरम क्षेत्र से नामजद आरोपी मो. फराज (उम्र करीब 23 वर्ष), जो जनसेवा केंद्र का संचालन करता है, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार आरोपी के आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों एवं जनपदों से जानकारी प्राप्त की जा रही है। इस गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार एवं कांस्टेबल प्रवेन्द्र प्रताप सिंह की टीम की प्रमुख भूमिका रही।

कमरे में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

लखनऊ। ग्राम मोहदा में एक युवक द्वारा कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।पुलिस के अनुसार 26 मार्च 2026 को रात करीब 11:00 बजे ग्राम मोहदा से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। मौके पर पता चला कि शनि कनौजिया (उम्र करीब 25 वर्ष) पुत्र मन्नू कनौजिया निवासी ग्राम मोहदा ने अपने मकान के कमरे को अंदर से बंद कर पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली थी।परिजनों ने युवक को फांसी के फंदे से उतारकर 108 एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजिनी नगर पहुंचाया, जहां

पुरा महादेव बना जिम्मेदार तीर्थ पर्यटन का मॉडल, महाशिवरात्रि पर लागू हुई जीरो वेस्ट व्यवस्था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रत के बेस्ट हेरिटेज टूरिस्ट विलेज 2024 के रूप में अपनी पहचान बना चुके बागपत के पुरा महादेव ने अब जिम्मेदार और सतत तीर्थ पर्यटन का प्रभावशाली मॉडल प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश की 'टेंपल इकोनॉमी' पहल के अंतर्गत परशुरामेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर जीरो वेस्ट व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू की गई, जिसने आस्था और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन की नई मिसाल पेश की है।इस पहल के तहत मंदिर में चढ़ाई जाने वाली भेंट और उत्सव के दौरान उत्पन्न कचरे के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। धार्मिक परंपराओं की पवित्रता को बनाए रखते हुए फूलों की भेंट, दूध, जैविक अवशेष, प्लास्टिक बोतलें, पूजा के धागे और यहां तक कि छोड़ी गई चप्पलों को भी व्यवस्थित तरीके से एकत्र कर प्रोसेस किया गया और पुनः उपयोग में लाया गया। इससे श्रद्धा से जुड़े पदार्थों का सम्मान बनाए रखते हुए उनका सार्थक उपयोग सुनिश्चित हुआ।इस पहल के परिणाम भी उल्लेखनीय रहे। 450 किलोग्राम से अधिक फूलों की भेंट को प्रोसेस किया गया, लगभग एक टन जैविक सामग्री से खाद तैयार की गई और करीब 700 किलोग्राम प्लास्टिक बोतलों को फाइबर फिल में परिवर्तित किया गया। इसके अलावा 3,000 से अधिक पूजा धागों का पुनः उपयोग किया गया, लगभग 2,500 चप्पलों को मैट और इंस्टॉलेशन में बदला गया, वहीं भगवान के अभिषेक में उपयोग किए गए 4,563 लीटर दूध को पशु देखभाल में प्रयोग किया गया। यह भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थल में संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।जिला प्रशासन के अनुसार यह मॉडल दो प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें भेंट सामग्री की रिकवरी और पुनर्वितरण तथा समुदाय आधारित सर्कुलर पुनः उपयोग शामिल है। दूध और खाद्य सामग्री को गौशालाओं एवं जरूरतमंदों तक पहुंचाया गया, जबकि अन्य अपशिष्ट को उपयोगी उत्पादों में बदला गया। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय आजीविका को भी बढ़ावा मिला।इस पहल में सामुदायिक भागीदारी को भी विशेष रूप से बढ़ावा मिला, खासकर महिलाओं की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने छंटाई और प्रोसेसिंग कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्थानीय लोगों की भागीदारी और सरल संचालन प्रणाली के माध्यम से यह मॉडल यह दर्शाता है कि धार्मिक स्थल सांस्कृतिक ही नहीं बल्कि आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकते हैं।अधिकारियों के अनुसार इस सुव्यवस्थित प्रणाली से मंदिर परिसर में स्वच्छता, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं के अनुभव में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कचरा प्रबंधन की स्पष्ट व्यवस्था से श्रद्धालुओं के व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव आया और यह संदेश स्थापित हुआ कि परंपराओं के साथ जिम्मेदारी को सहज रूप से जोड़ा जा सकता है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल उत्तर प्रदेश की टेंपल इकोनॉमी को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है, जो पर्यटन, आजीविका और सतत विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं, सामुदायिक भागीदारी और पारंपरिक मूल्यों के समन्वय से इस प्रकार के ठोस परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

शिवाजी मार्केट में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, दो बेटियों का था पिता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना गाजीपुर क्षेत्र के शिवाजी मार्केट के पास एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की गई।पुलिस के अनुसार 27 मार्च 2026 को सुबह करीब 05:00 बजे थाना गाजीपुर पर सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के शिवाजी मार्केट के पास एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, जहां पता चला कि पीयूष मिश्रा (उम्र करीब 40 वर्ष) पुत्र राम प्रकाश मिश्रा निवासी सी-ब्लॉक, शिवाजी मार्केट ने रात्रि में अपने कमरे की छत में लगे पंखे से गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी।घटना की

जानकारी होने पर परिजनों ने मृतक को फांसी के फंदे से उतारकर उपचार के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी भेजा जा रहा है। प्रथम दृष्टया परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक पूर्व में प्राइवेट नौकरी करता था और वर्तमान में बेरोजगार था। मृतक की दो पुत्रियां हैं। मामले में पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

टीबी न छुपाएं, न फैलाएं और दवा बीच में न छोड़ें: डा. सूर्यकान्त

निक्षय मित्र योजना में अव्वल है रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग : डा0 सोनिया नित्यानन्द, कुलपति केजीएमयू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन की दिशा में निरंतर सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी केयर के तत्वाधान में हाईवे हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर द्वारा "टीबी मुक्त भारत" अभियान के तहत आज 25 टीबी से पीड़ति बच्चों को गोद लिया गया और उन्हें पोषण पोटली प्रदान की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी मरीजों को बेहतर पोषण सहायता प्रदान करना एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहयोग करना है।

डा० सूर्यकान्त ने कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सभी टीबी पीड़ति बच्चों एवं उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी रोगियों के साथ किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज भी टीबी रोगियों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों, को सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता है, वहीं टीबी से पीड़ति बच्चों के साथ अन्य बच्चे न तो बैठते हैं और न ही खेलते हैं। यह स्थिति मरीजों के हित में नहीं है, क्योंकि इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि उन्हें इस समय परिवार और समाज के सहयोग व हौसले की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

उन्होंने जोर देते हुए सभी टीबी रोगियों को बताया कि टीबी से पीड़ति प्रत्येक रोगी व उनके परिजनों को टीबी को छुपाना नहीं चाहिए, बल्कि बाहर निकलने पर रोगी एवं परिजनों को मास्क का उपयोग करना चाहिए। जहां तक संभव हो, भीड़-भाड़ से दूर रहना चाहिए। मरीज और परिजनों के बीच बातचीत में भी सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि एक टीबी रोगी खांसने या छींकने से कम से कम 15 नए टीबी रोगी संक्रमित कर सकता है।

उन्होंने बताया कि यदि दो सप्ताह से अधिक खांसी, खांसी में बलगम आना, खांसी में खून आना, सीने में दर्द, सांस लेने या खांसते समय दर्द महसूस होना, सांस फूलना, लंबे समय तक बुखार रहना, रात में अत्यधिक पसीना आना, थकान और कमजोरी महसूस होना, लगातार भूख की कमी रहना तथा बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन कम होना जैसी समस्याएं दिखाई दें, तो शीघ्र ही नजदीकी टीबी केंद्र, जिला अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

सबसे अहम बात यह है कि सभी टीबी मरीजों को अपना उपचार पूर्ण करना चाहिए और दवा बीच में नहीं छोड़नी चाहिए, अन्यथा गंभीर स्थिति उत्पन्न होकर एमडीआर टीबी होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे मरीज की स्थिति अधिक बिगड़ सकती है और समय पर उपचार न मिलने पर जीवन के लिए खतरा भी बढ़ जाता है।

इस अवसर पर केजीएमयू की कुलपति डा० सोनिया नित्यानन्द ने रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए डा० सूर्यकान्त को बधाई दी और कहा कि विभाग निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है तथा समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में इस प्रकार की पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे न केवल मरीजों को पोषण और सहयोग मिलता है, बल्कि उनके मनोबल में भी वृद्धि होती है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी केयर के संस्थापक प्रभारी डा० सूर्यकान्त ने बताया कि अब तक 500 से अधिक टीबी रोग से ग्रसित मरीजों को गोद लिया जा चुका है। इसके साथ ही वर्ष 2019 से एक गांव एवं एक स्लम एरिया को भी गोद लिया गया है। केजीएमयू द्वारा अब तक लगभग 15 ग्राम पंचायतों को गोद लिया जा चुका है।

डा० सूर्यकान्त ने बताया कि निक्षय मित्र योजना के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को टीबी मरीजों की सहायता के लिए आगे आने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास टीबी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत बनाते हैं और "टीबी मुक्त भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पहल न केवल चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है, जो समाज के अन्य संस्थानों और व्यक्तियों को भी इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग से डा0 अंकित कुमार, हाईवे हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के प्रबंधक डॉ0 मनोज कुमार सिंह, विवेक सिंह, अंजनेय सिंह, रजनी मिश्रा, सोनाली विश्वकर्मा विभाग से डाट्स की एनटीईपी टीम एसटीएस अमन भारती, टीबीएचवी बृजेंद्र सिंह, टीबीएचवी ममता जोशी, एसटीएलएस जे.पी. तिवारी, एलटी संदीप मौर्य एवं मेडिकल ऑफिसर डॉ0 देवरत, जूनियर डाक्टर्स एवं समस्त स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

नीतीश को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक

अब सवाल है कि नीतीश कुमार से मोदी और शाह का बदला पूरा हो गया लेकिन आगे क्या? आगे भाजपा किसको मुख्यमंत्री बनाएगी यह लाख टके का सवाल है। भाजपा ने पिछले 10 सालों में जिस तरह के लोगों को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया उसे देख कर तो लगता है कि मोदी और शाह का एकमात्र लक्ष्य लोगों को हैरान करना या चौंकाना होता है। वे चुन कर ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाते हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा हो। जितने नाम पहले से चल रहे होते हैं उनको छोड़ कर किसी अन्य को सीएम बनाया जाता है। भजनलाल शर्मा से लेकर मोहन यादव, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता तक इसकी अनगिनत मिसाले हैं। लेकिन क्या बिहार में भाजपा इसी तरह का प्रयोग कर सकती है?

यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है क्योंकि बाकी राज्यों की तरह भाजपा को बिहार में अकेले बहुमत नहीं मिला है। दूसरे, बिना नीतीश की पार्टी के बाकी सहयोगियों के साथ भी भाजपा का पूर्ण बहुमत नहीं बनता है। दूसरी ओर मजबूत प्रादेशिक पार्टी के तौर पर राजद है, जो मौके का फायदा उठाने को तैयार है। इसलिए भाजपा को जातीय समीकरण का ध्यान रखना है तो साथ साथ नीतीश की पार्टी की पसंद का ख्याल भी रखना है। इसके अलावा कमान ऐसे नेता को देनी होगी, जो राजद से लड़ सके और गैर यादव पिछड़ी जाति के समीकरण का प्रतिनिधित्व करता हो। भाजपा यादव चेहरे का प्रयोग पहले कर चुकी है। 2015 में भाजपा ने यह प्रयोग किया था। नित्यानंद राय प्रदेश अध्यक्ष, भूपेंद्र यादव प्रभारी और रामकृपाल यादव केंद्र में मंत्री थे। भाजपा ने जम कर टिकट भी दी लेकिन 2015 का वह प्रयोग विफल रहा था।

इस बार भाजपा और जदयू दोनों ने खुल कर गैर यादव राजनीति की। यादव नेताओं की टिकट काटी गई और उसकी जगह दूसरी मझोली जातियों खास कर कोईरी, कुर्मी और धानुक को आगे बढ़ाया गया। उनके ज्यादा विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। दूसरी बात यह है कि बिहार भाजपा के सबसे बड़े यादव नेता नंदकिशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। सो, यादव सीएम का प्रयोग शायद नहीं होगा। इसकी बजाय भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित मौजूदा फॉर्मेशन को बनाए रखना है। यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक के प्रयोग को जारी रखना डाजपा के लिए सुरक्षित भी होगा और उसके सामाजिक समीकरण के अनुकूल भी होगा। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का समर्थन भी इस पर मिलेगा।

इस लिहाज से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहली पसंद हो सकते हैं। अभी जनता दल यू के मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री हैं। वैसे ही भाजपा के मुख्यमंत्री के साथ जदयू के दो उप मुख्यमंत्री हो सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि अंत में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को उप मुख्यमंत्री पद के लिए चुना जाएगा। सो, कोईरी मुख्यमंत्री और कुर्मी उप मुख्यमंत्री भाजपा की गैर यादव पिछड़ी जाति के राजनीति में फिट होंगे और उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिहाज से भी यह समीकरण काम करेगा। दूसरा उप मुख्यमंत्री सवर्ण होगा या दलित यह जनता दल यू को अपनी पार्टी की राजनीति के लिहाज से तय करना है।

भाजपा में वैश्य या अति पिछड़ा मुख्यमंत्री के प्रयोग की बात भी की जा रही है। इस लिहाज से संजीव चौरसिया से लेकर दिलीप व संजय जायसवाल और सुनील कुमार पिंटू से लेकर धर्मशिला गुप्ता तक के नाम की चर्चा है। दलित चेहरे के तौर पर जनक राम का नाम भी लिया जा रहा है। लेकिन भाजपा ने नीतीश कुमार को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक पूरा किया है तो दूसरे प्रयोग के लिए उसे इंतजार करना होगा। एक प्रयोग के बीच में दूसरा प्रयोग नुकसानदेह हो सकता है। लव कुश समीकरण यानी कोईरी, कुर्मी, धानुक के समीकरण को तोड़ने का जोखिम भाजपा अभी शायद ही ले। अगर भाजपा ऐसा कोई प्रयोग करती है तो नीतीश कुमार की पार्टी में नाराजगी होगी। इसका भी भाजपा को ख्याल रखना होगा।

राम नवमी 2026 विशेष: मर्यादा, आस्था और आदर्श जीवन का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी॥ यह चौपाई सुनते ही मन भी राममय हो जाता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे जीवन जीने की दिशा भी देते हैं। ऐसा ही एक पावन पर्व है राम नवमी, जो भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भी यह पर्व लोगों के जीवन में आस्था, संयम और आदर्शों की नई ऊर्जा लेकर आएगा। राम नवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब अयोध्या में राजा दशरथ के घर भगवान राम का जन्म हुआ था। राम केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श राजा और आदर्श मानव के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोडना चाहिए।आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में राम के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास दिखाई देता है, तब राम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाता है।

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है। राम नवमी के अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्तजन व्रत रखते हैं, रामचरितमानस का पाठ करते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम का गुणगान करते हैं। अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा देती हैं।यह पर्व हमें केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रखता, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा भी देता है। रामराज्य की कल्पना—जहां न्याय, समानता और सुख-शांति हो—आज भी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बनी हुई है। राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि सच्चाई, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। यदि हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

रामनवमी: जीवन जीने की दिशा भी

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी है। यह दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें ₹मर्यादा पुरुषोत्तम₹ कहा जाता है—अर्थात् मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन के सर्वोच्च उदाहरण।

आदर्शों से भरा जीवन

रामनवमी हमें सिखाती है कि जीवन केवल सफलता या सत्ता पाने का नाम नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों और मूल्यों को निभाने का नाम है। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि रखा—चाहे वह वनवास हो, परिवार के प्रति जिम्मेदारी हो या प्रजा के प्रति कर्तव्य।

संतुलन और संयम का संदेश

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में जहां स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, राम का जीवन संयम और संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने क्रोध, अहंकार और लोभ पर नियंत्रण रखते हुए जीवन जिया—जो आज भी हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है।

रिश्तों की मर्यादा

रामनवमी हमें यह भी सिखाती है कि रिश्तों की गरिमा बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। राम ने पुत्र, भाई, पति और राजा—हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि संबंध केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी होते हैं।

संघर्ष में भी धैर्य

जीवन में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है, लेकिन राम का जीवन बताता है कि धैर्य और सकारात्मक सोच से हर संकट को पार किया जा सकता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए।

आज के संदर्भ में रामनवमी

आज के समय में रामनवमी केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सहनशीलता और न्याय—ये सभी गुण हमें बेहतर इंसान और बेहतर समाज बनाने में मदद करते हैं।

रामनवमी हमें याद दिलाती है कि सच्चा उत्सव केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन में है। जब हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक होता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

टिप्पणी

गैस संकट के अभी शुरुआती दिन

पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है।

रसोई गैस के लिए हाहाकार मच गया है। जगह-जगह से सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारों की खबरें मिल रही हैं। ये हाल तब है, जबकि सरकार ने एलपीजी की 80-85 फीसदी सप्लाई औद्योगिक क्षेत्र से घरेलू उपयोग के लिए भेजने का निर्णय लिया है। कॉमर्शियल उपयोग के लिए गैस की सप्लाई काफी हद तक बाधित हो चुकी है। गौरतलब है कि अभी संकट के शुरुआती दिन हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। अब यह सामने आया है कि चूंकि गैस का भंडारण मंहगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार सप्लाई पर ही निर्भर बनाए रखा। अब चूंकि मुश्किल आ खड़ी हुई है, तो सरकार आपातकालीन निर्णय लेने को मजूबर है। उसने ऐसे लिए हैं, जिनसे घरेल उपभोक्ताओं को अधिकतम राहत मिल सके। यह सही, मगर समस्याग्रस्त प्राथमिकता है। आखिर श्रमिक वर्ग के लोग फैक्टरियों या कार्यस्थलों पर कैंटीन या ढाबों में भोजन करते हैं।

लाइन होटल ट्रक एवं बस ड्राइवरों और अन्य लंबी दूरी के यात्रियों के खाना खाने की जगहें हैं। फिर अनगिनत लोग रोज कामकाज के सिलसिले में यात्राओं पर जाते हैं, जो रेस्तरां या होटलों में ही भोजन करते हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि अनेक शहरों से रेस्तरां और होटलों में मेनू की कटौती हो रही है और कुछ रोज में उनके बंद हो जाने की चेतावनी दी गई है। रेस्तरां और क्लाउड किचन पर लाखों कर्मचारी एवं होम फूड डिलीवरी से जुड़े गिग वर्कर निर्भर हैं। उधर औद्योगिक गैस की कटौती से कल-कारखाने बंद हुए, तो उसका असर लाखों नौकरीशुदा लोगों पर पड़ेगा। उत्पादन, वितरण, एवं उपभोग में गिरावट से अर्थव्यवस्था पर होने वाला दूरगामी असर अलग है। तो कुल मिलाकर देश एक बड़ी मुश्किल में फंसता नजर आ रहा है। इसके मद्देनजर क्या यह कहना काफी होगा कि युद्ध होता है, तो दिक्कत होती है? या एहतियाती कदम ना उठाने के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

ब्लॉग

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

रामनवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, दोपहर 12 बजे आठ हजार मंदिरों में एक साथ मनेगा श्रीराम जन्मोत्सव

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। सुबह से ही श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हुई हैं।

सरयू तट की बात करें तो लगभग 500 मीटर तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। दूर-दराज से आए श्रद्धालु स्नान के बाद मंदिरों में दर्शन-पूजन कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है

रामनगरी में 6 जोन व 29 सेक्टरों में विभाजित कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। अधिकारी लगातार ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।

राम जन्मोत्सव का विशेष उल्लास देखने को मिलेगा

वहीं, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दर्शन की प्रक्रिया सामान्य समय से लगभग एक घंटे पहले शुरू कर दी गई है, जो देर रात करीब 11 बजे तक जारी रहेगी। दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव का विशेष उल्लास देखने को मिलेगा। इस मौके पर करीब 8000 मंदिरों में एक साथ भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

श्री राम का जन्मोत्सव मनाया , हुआ हवन पूजन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर के परमानपुर स्थित माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर माता मंदिर के प्रांगण में राम दरबार को आकर्षक एयर गुम्बरों से भव्य रूप से सजाया गया। नवरात्रि के अंतिम दिवस पर भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और माँ शारदा और जय श्रीराम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। माँ शारदा श्रृंगार और पूजा के पश्चात दोपहर में रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों की सजावट से सजाकर भक्तिमय वातावरण तैयार किया गया। भक्तों ने बड़े ही भावपूर्वक माँ शारदा और भगवान श्रीराम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन में धार्मिक उल्लास और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर

भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न एवं हनुमान जी को नए वस्त्र और सुगंधित पुष्पमालाओं से भव्य रूप में सजाया गया। राम दरबार की सजावट इतनी मनमोहक थी कि श्रद्धालु उसकी छटा देखकर मंत्रमुग्ध हो उठे। देव विग्रहों पर विशेष श्रृंगार कर उन्हें दिव्य स्वरूप प्रदान किया गया। भक्तों ने विधिवत पूजन कर प्रभु से सुख-समृद्धि की कामना की। भगवान का अभिषेक दूध, दही, शहद और चरणामृत से वैदिक विधि-विधान के साथ किया गया। पुजारियों ने मंत्रोच्चारण के बीच पूरे अनुष्ठान को संपन्न कराया। इसके बाद भगवान को विभिन्न प्रकार के फलों के साथ 51 किलो लड्डू और छप्पन भोग अर्पित किया गया। भोग लगने के पश्चात प्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को धन्य माना।

यूपी में 25 हजार करोड़ का 'कागजी' निवेश धराशाई! पुच एआई के साथ MoU रद्द

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निवेश के बड़े-बड़े दावों के बीच राज्य सरकार को उस वक्त बैकफुट पर आना पड़ा, जब 'पुच एआई' (Puch AI) नाम की कंपनी के साथ किया गया 25,000 करोड़ रुपये का निवेश समझौता (MoU) महज चार दिनों के भीतर रद्द कर दिया गया। सरकार ने यह फैसला कंपनी की वित्तीय साख संदिग्ध पाए जाने और जरूरी दस्तावेजों की कमी के चलते लिया है। इन्वेस्ट यूपी के CEO विजय किरन आनंद ने बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने MoU की समीक्षा करने के लिए कहा था। हमने पुच एआई कंपनी को नोटिस जारी करते हुए बिजनेस प्लान के साथ-साथ वित्तीय स्थिति और डीपीआर के बारे में जानकारी मांगी थी। AI Puch को जवाब देने के लिए 3 दिन का समय दिया गया था, लेकिन कंपनी की तरफ से कोई जवाब न मिलने के कारण MoU रद्द

कर दिया गया है।

Invest UP द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 23 मार्च 2026 को हुए इस समझौते के बाद जब कंपनी की गहन समीक्षा की गई, तब पाया गया कि कंपनी ने जरूरी दस्तावेज समय पर जमा नहीं किए। साथ ही इतनी बड़ी परियोजना के लिए कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं पाई गई और उसके फंड के स्रोत भी भरोसेमंद नहीं थे।

फिलहाल समझौता रद्द

इस निवेश को लेकर पहले से ही सवाल उठ रहे थे। अखिलेश यादव ने 25,000 करोड़ के प्रस्तावित निवेश को लेकर मुख्यमंत्री पर सवाल उठाए थे। जांच में यह भी सामने आया है कि कंपनी अपने निवेश और वित्तीय क्षमता के पुख्ता सबूत नहीं दे सकी। सारी गहन जांच के बाद सरकार ने फिलहाल समझौता रद्द कर दिया है।

वायु सेना के अग्निवीर में भर्ती हेतु आवेदन'

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि विंग कमाण्डर, एयरमैन सेलेक्शन सेण्टर, एयर फोर्स स्टेशन इण्डियन एयरफोर्स कानपुर ने अपने पत्र द्वारा अवगत कराया है कि भारतीय वायुसेना में अग्निपथ योजना के अन्तर्गत अग्निवीर की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी कर दिया गया है। एथलेटिक्स, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, शतरंज, क्रिकेट, साइकिल पोलो, साइकिलिंग, फुटबाल, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हैण्डबाल, हॉकी, कबड्डी, लॉन टेनिस, शूटिंग, स्कवैश, तैराकीध्डाइविंग, वॉलीबाल, वाटर पोलो, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, वुशु के उत्कृष्ट खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया के लिए 'आनलाइन पंजीकरण 23 से 29 मार्च, तक नियत है। भर्ती में दिनांक 02 जुलाई, 2005 से 02 जनवरी, 2009 के मध्य जिनकी जन्मतिथि हो, ऐसे अविवाहित केवल पुरूष अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन करने के पात्र है। अभ्यर्थी की खेल कुशलता का परीक्षण दिनांक 08 से 10 अप्रैल, 2026 के मध्य नई दिल्ली में

प्रोटीन शेक में नशीला पदार्थ मिलाकर छात्रा को दिया, बेसुध हुई तो किया रेप... सहारनपुर में जिम ट्रेनर की घिनौनी करतूत

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक जिम ट्रेनर ने फिटनेस ट्रेनिंग के नाम पर एक छात्रा का भरोसा जीता। फिर धोखे से उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी ट्रेनर और उसके एक सहयोगी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

मामला बिहारीगढ़ क्षेत्र का है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, पीड़िता बिहारीगढ़ क्षेत्र के एक स्थानीय जिम में एक्सरसाइज के लिए जाती थी। वहीं उसकी मुलाकात जिम ट्रेनर शहजाद (पुत्र इमरान, निवासी गागलहेड़ी) से हुई। शहजाद ने ट्रेनिंग के दौरान छात्रा का विश्वास

हासिल कर लिया।

आरोप है कि एक दिन वर्कआउट के दौरान शहजाद ने छात्रा को प्रोटीन ड्रिंक में कोई नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। ड्रिंक पीते ही छात्रा बेसुध हो गई, जिसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

जांच में यह भी सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इस घिनौने कृत्य में शहजाद अकेला नहीं था। उसका साथी मुकर्रम भी इस साजिश का हिस्सा था। मुकर्रम लगातार पीड़िता की गतिविधियों पर नजर रखता था और आरोपी शहजाद को पल-पल की जानकारी देकर उसकी मदद करता था। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर परिजनों को आपबीती सुनाई और 25 मार्च 2026 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

SSP के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए सहारनपुर के एसएसपी अभिनंदन ने तत्काल संज्ञान लिया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कीं। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और साक्ष्य जुटाए। शुक्रवार को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने बुग्गावाला रोड से घेराबंदी कर मुख्य आरोपी शहजाद और उसके सहयोगी मुकर्रम को धर दबोचा। थाना बिहारीगढ़ पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपियों ने पूर्व में भी किसी अन्य महिला के साथ इस तरह की वारदात को अंजाम दिया है।

नवमी श्रद्धा के साथ मनायी , कन्या पूजन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। चैत नवरात्रि की नवमी पूरे हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शीतला चैकिया धाम सहित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं ने मां भगवती के सिद्धिदात्री स्वरूप का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।घर-घर में कन्या पूजन की परंपरा निभाई गई, जहां 2 से 10 वर्ष की कन्याओं को माता रानी का स्वरूप मानकर आमंत्रित किया गया। भक्तों ने कन्याओं को आसन पर बैठाकर उनके पैर धोए, कुमकुम-हल्दी का तिलक लगाया और कलाई पर मौली बांधी। इसके बाद उन्हें खीर, हलवा, पूरी, चने और मिठाई का प्रसाद खिलाया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कन्याओं के साथ एक छोटे बालक को भी भोजन कराया जाता है, जिसे भगवान भैरव का स्वरूप माना जाता है। सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक का समय कन्या पूजन के लिए विशेष शुभ माना गया, जिसमें अधिकांश परिवारों ने अपनी पूजा संपन्न की। पूजा के बाद कन्याओं को उपहार और दक्षिणा देकर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अजय अम्बष्ट ने भी अपने परिवार के साथ शीतला चैकिया धाम पहुंचकर कन्याओं के पैर धोकर पूजन किया और उन्हें भोजन कराया। उन्होंने बताया कि कन्या पूजन से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि, यश और कीर्ति का वास होता है। जनपद के विभिन्न मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही और जय माता दी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बॉडी बिल्डर ने अपनी ही जांघ पर घोंपा चाकू, फटी नस और हो गई मौत, डॉक्टर बोले– शरीर में चर्बी होती तो बच जाता

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 28 वर्षीय बॉडी बिल्डर सलमान ने अपने बड़े भाई से फोन पर हुए विवाद के बाद गुस्से में खुद की जांघ पर चाकू मार लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि सलमान की जिस सुडौल और जीरो फैट बॉडी के लोग कायल थे, वही उसकी मौत की वजह बन गई।

इंचौली थाना क्षेत्र के लावड़ निवासी अलीहसन के बेटे सलमान (28) का अपना पोल्ट्री फार्म था और वह इलाके का जाना-माना बॉडी बिल्डर था। गुरुवार सुबह सलमान अपने कमरे में था, तभी फोन पर अपने बड़े भाई इमरान से उसकी किसी बात को लेकर तीखी बहस हो गई। झगड़ा इतना बढ़ा कि फोन कटते ही सलमान ने आपा खो दिया और घर में रखा सब्जी काटने वाला चाकू अपनी जांघ

पर दे मारा।

डॉक्टरों और विशेषज्ञों के अनुसार, सलमान की मौत की वजह उसकी टोन बॉडी और एक्सेस ब्लीडिंग रही। सामान्य व्यक्ति के शरीर पर चर्बी की परत होती है, जो किसी भी बाहरी वार के लिए एक कुशन या सुरक्षा कवच का काम करती है। सलमान पिछले काफी समय से जिम में पसीना बहाकर वेट लॉस कर रहा था और एब्स (Abs) बनाने में जुटा था। शरीर में चर्बी न होने और मांसपेशियां सख्त होने के कारण चाकू सीधे 3 इंच गहराई तक अंदर धंस गया और जांघ की मुख्य नस (Femoral Artery) को काट दिया। जांघ की नस कटते ही खून का फव्वारा फूट पड़ा। घरवाले उसे अस्पताल ले गए, लेकिन शरीर में चर्बी की परत न होने की वजह से घाव इतना गहरा था कि डॉक्टर खून का रिसाव बंद नहीं कर सके।

मेडिकल साइंस क्या कहता है?

मेडिकल साइंस (NIH के अध्ययन) के मुताबिक, मोटे लोगों में सबक्युटेनियस फैट (त्वचा के नीचे की चर्बी) तेज धारदार हथियारों के वार को अंदरूनी अंगों तक पहुंचने से रोकती है। इसके विपरीत, जिम जाने वाले लोगों की मांसपेशियां तनी हुई होती हैं, जिससे चाकू या कोई भी नुकीली चीज बिना किसी रुकावट के सीधे नसों या हड्डियों तक पहुंच जाती है।

परिजनों का कार्रवाई से इनकार

सलमान की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है। उसकी शादी 4 साल पहले हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने किसी भी कानूनी कार्रवाई या पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया है। एएसपी बजरंग प्रसाद ने बताया कि यह आत्महत्या का मामला है और परिवार ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

सपा ने दो लाख मृतक के परिजनों को दिया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। विगत दिनों ग्राम फूलपुर निवासी ललई यादव की दबंगों द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा गठित प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में शामिल सदस्यों विधायक मल्हनी लकी यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सदर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र यादव मल्हनी विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी अध्यक्ष, के साथ शोकाकुल परिवारीजनों के बीच पहुंचकर उन्हें अखिलेश यादव द्वारा 02 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया।पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, विधायक मल्हनी लकी यादव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने संयुक्त रूप

से कहा कि हर पीड़ित के साथ समाजवादी पार्टी तन-मन-धन से साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास कर रही है। जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, जिला महासचिव आरिफ हबीब, जिला सचिव गुलाब यादव रीठी, मनोज कुमार मौर्य, क्षेत्रीय सभासद कृष्णा यादव, अशोक यादव जिलाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, अशोक यादव एसपीओ, प्रिंस यादव सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

आठ नए वाई अब टैक्स के दायरे में

जौनपुर। नगर पालिका परिषद के सीमा विस्तार में शामिल किये गए आठ नए वाई अब टैक्स के दायरे में आ गए हैं। इनवाडो के निवासियों से अब हाउस टैक्स के साथ पानी का टैक्स भी वसूला जाएगा। इससे पहले, नगर पालिका क कुल 39 वार्डों में से केवल 31 वार्डं से ही राजस्व की वसूली हो रही थी। नए शामिल हुए आठ वार्डों में सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस दौरान इन वार्डों में कल 26 हजार घर जोड़े गए हैं। नगर पालिका परिषद का मुख अभियान अब राजस्व बढ़ाने पर केन्द्रित है। इन नए वार्ड के निवासियों 2022 से टैक्स देना होगा।नगर पालिका परिषद अब राजस्व बढाने की कवायद में तेजी से जुट गई है। जो नगर पालिका कभी राजव केलिएसंघष करती थी, वह मौजूदा समय में प्रतिदिन लगभग तीन सेचार लाख रूपये का राजख वसूल रही है। नए वाडो से वसूली शुल्क होने के बाद इसमें और वृद्धि होने की उमीद है।

'चल प्यार करेगी, हां जी हां जी...', रिंग सेरेमनी में आईपीएस केके बिश्नोई संग अंशिका वर्मा का रोमांटिक डांस

आर्यावर्त संवाददाता

जब दो धाकड़ पुलिस अफसर एक-दूसरे के हमसफर बनने जा रहे हों, तो जश्न का अंदाज भी कुछ हटकर होना लाजिमी है। यूपी कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारी कृष्ण कुमार (केके) बिश्नोई और अंशिका वर्मा की सगाई की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, विशेष रूप से एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा है, जिसमें एसपी संभल केके बिश्नोई, अपनी होने वाली पत्नी और बरेली की एएसपी अंशिका वर्मा को फिल्मी अंदाज में गोद में उठाए नजर आ रहे हैं।

गुरुवार रात संभल में आयोजित इस भव्य रिंग सेरेमनी में माहौल तब पूरी तरह उत्सव में बदल गया जब संगीत का दौर शुरू हुआ। बैकग्राउंड में 'चल प्यार करेगी, हां जी-हां जी...' गाना बजते ही केके बिश्नोई

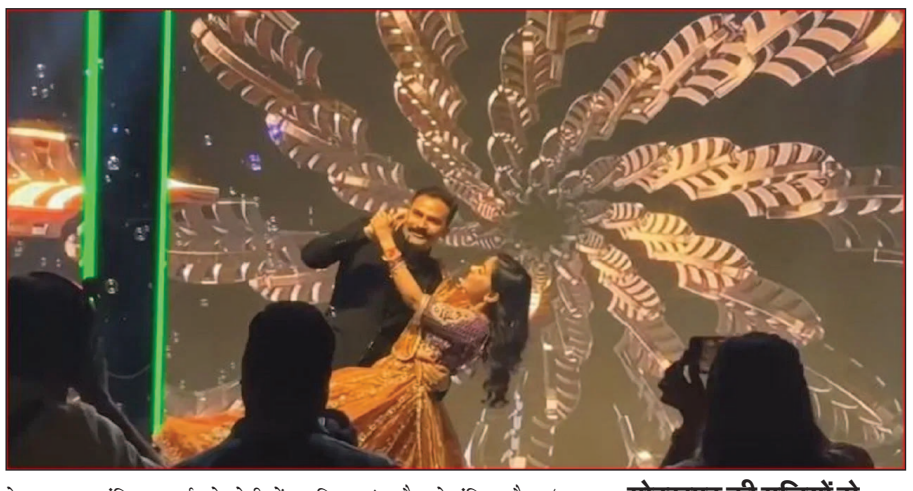

ने अचानक अंशिका वर्मा को गोदी में उठा लिया। इस पल को देखकर वहां मौजूद मेहमानों ने तालियों और सीटियों से पूरे हॉल को गुंजा दिया।

इतना ही नहीं, दोनों ने 'भागम भाग' फिल्म के गाने 'प्यार का सिग्नल' और रोमांटिक ट्रैक 'अगर तुम कहो' पर भी शानदार परफॉर्मेंस दी। काला चश्मा लगाए केके बिश्नोई का आत्मविश्वास और अंशिका वर्मा की सादगी भरी खूबसूरती ने सबका दिल जीत लिया।

गोरखपुर की गलियों से शुरू हुई थी प्रेम कहानी

इन दोनों अधिकारियों की यह लव स्टोरी किसी फिल्म की पटकथा जैसी है। साल 2023 में जब केके बिश्नोई गोरखपुर में एसपी सिटी के पद पर तैनात थे। तब अंशिका वर्मा वहां अंडर ट्रेनिंग आईपीएस अधिकारी थीं। ड्यूटी के दौरान शुरू हुई मुलाकातों ने पहले दोस्ती और फिर प्यार का मोड़ लिया। अब 2018 बैच के कृष्ण कुमार और 2021 बैच की अंशिका वर्मा अपने रिश्ते को शादी के पवित्र बंधन में बदलने जा रहे हैं।

29 मार्च को राजस्थान में होंगे सात फेरे

संभल में हुई इस रिंग सेरेमनी में डीएम डॉ। राजेंद्र पैंसिया, मुरादाबाद से बीजेपी विधायक रितेश गुप्ता और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। अब शादी का मुख्य जश्न राजस्थान के शाही अंदाज में होगा।

27 मार्चः बाड़मेर के धोरीमन्ना में हल्दी और संगीत कार्यक्रम।

28 मार्चः बारात सभा और अन्य पारंपरिक रस्में।

29 मार्चः मुख्य विवाह समारोह (फेरे),

30 मार्चः जोधपुर के लारिया रिजॉर्ट में ग्रैंड रिसेप्शन, जहां देशभर के वीआईपी मेहमान पहुंचेंगे।

सोशल मीडिया के स्टार हैं दोनों अफसर

32 वर्षीय कृष्ण कुमार बिश्नोई मूल रूप से राजस्थान के बाड़मेर के हैं, जबकि 30 वर्षीय अंशिका वर्मा प्रयागराज की रहने वाली हैं। दोनों ही अपनी कार्यशैली के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। जहां अंशिका का 'लंदन ठुमकदा' डांस पहले भी वायरल हो चुका है, वहीं केके बिश्नोई की खुली जिप्सी वाली धुरंधर एंट्री भी खूब चर्चा में रही थी।

अधिवक्ता पर हमला करने में आधा दर्जन नामजद

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के छबीलेपुर लखनपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक अधिवक्ता पर हमला करने और गाली-गलौज व धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पुलिस ने गांव के ही आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता आनन्द कुमार ने लाइन बाजार थाने में तहरीर देकर अवगत कराया कि वह अपने छबीलेपुर में संचालित एलेक्जेंडर एजुकेशनल एकेडमी में फायर फाइटिंग मशीन लगवा रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते विपक्षी राज, कौशल, सहाना अंजू, सैदुन देवी और साक्षी गोलबंद होकर गाली-गलौज करते हुये वहां पहुंच गये। आरोप है कि इन लोगों ने अधिवक्ता को गेट पर ही पटक दिया और जमकर माराकृपीटा। शोर सुनकर वहां काम कर रहे मजदूरों सहित अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर अधिवक्ता की जान बचायी।

कोलेजन नेचुरली तेजी से बढ़ेगा, इन 10 शाकाहारी चीजों में छिपा है सीक्रेट

कोलेजन एक प्रकार का प्रोटीन होता है जो स्किन और शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। कोलेजन स्किन को ग्लोइंग और फ्लालेस लुक देता है। जिससे स्किन का नेचुरल ग्लो बना रहता है और आप जवां दिखते हैं। जानते हैं कुछ आसान तरीके जिनसे आप घर पर ही कोलेजन को बढ़ा सकते हैं।

कोलेजन एक तरह का प्रोटीन होता है जो हमारी त्वचा, हड्डियों के लिए बेहद जरूरी माना जाता है। ये प्रोटीन अमीनो एसिड प्रोलाइन, ग्लाइसिन और डाइडॉक्सीप्रोलाइन से बनता है। कोलेजन को बनाने के लिए शरीर को विटामिन सी, कॉपर और जिंक की जरूरत होती है। ये हमारे शरीर और स्किन के लिए बहुत जरूरी होता है। वैसे तो कोलेजन बढ़ाने के लिए आपको विटामिन सी से युक्त फूड को खाना चाहिए। इससे आपके स्किन का नेचुरल ग्लो बरकरार रहता है।

कोलेजन को बढ़ाने के लिए मार्केट में पाउडर भी मिलता है जिसके कई फायदे और नुकसान हैं। ये मंहगे भी मिलते हैं पर क्या आप जानते हैं घर पर भी आसान तरीकों को अपनाकर कोलेजन को बढ़ाया जा सकता है। जिससे आपकी चेहरे पर निखार आ सकता है। कोलेजन को बूस्ट करने के लिए आपको अपनी डाइट में विटामिन सी वाली खाने की चीजों को एड करना होगा।

रोज खाएं खट्टे फल

कोलेजन को बढ़ाने के लिए आप अपनी डाइट में खट्टे फल जैसे संतरा, मौसंबी, नींबू को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेट्स और विटामिन सी आपके शरीर में कोलेजन को बढ़ाता है और आपकी स्किन का नेचुरल ग्लो बरकरार रखता है।

बेरी भी है लिस्ट में

आप अपनी डाइट में स्ट्रॉबेरी और ब्लूबेरी को भी शामिल कर सकते हैं इनमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेट्स होते हैं जो शरीर में कोलेजन को बूस्ट करता है और स्किन को स्मूथ और सॉफ्ट बनाता है। इसे आप नाश्ते में स्नैक्स की तरह शामिल कर सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, पत्तागोभी भी कोलेजन को बढ़ाने में मदद करती है क्योंकि इसमें विटामिन सी, आयरन और मिनरल्स होते हैं जो सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। आप इन्हें सलाद में या सब्जी बनाकर खा सकते हैं

एवोकाडो से बढ़ेगा कोलेजन

एवोकाडो में विटामिन सी, ई होता है जो न केवल कोलेजन को बढ़ाता पर तनाव को भी कम करता है।आप एवोकाडो को सलाद की तरह, स्मूदी बनाकर और टोस्ट के साथ भी खा सकते हैं।

शिमला मिर्च भी है कोलेजन बढ़ाने में कारगर

आपको जानकर हैरानी होगी कि मामूली सी सब्जी शिमला मिर्च भी आपका कोलेजन बूस्ट कर सकती है। आप हरी, लाल और पीली शिमला मिर्च को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो कोलेजन को बढ़ाता है और त्वचा में निखार लाने में हेल्प करता है।

सोया प्रोडक्ट्स से बढ़ता है कोलेजन

आप अपनी डाइट में सोया प्रोडक्ट्स जैसे सोया मिल्क, सोयाबीन और सोया की सब्जी को शामिल कर सकते हैं यह कोलेजन को बढ़ाने में मदद करती है।

टमाटर से करेगी स्किन ग्लो

टमाटर में लाइकोपिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कोलेजन को बढ़ाने में मदद करता है। आप इसे सलाद की तरह, सॉस, सूप या किसी अन्य सब्जी में मिलाकर अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कद्दू के बीज

आपको कोलेजन को बूस्ट करना है तो कद्दू के बीज भी अच्छा ऑप्शन है। कद्दू के बीज में जिंक, मिनरल, पेपीटास होता है जो कोलेजन को बढ़ाने में मदद करता है। आप इसे सलाद के ऊपर छिड़कर और दही में भी डालकर खा सकते हैं।

अलसी के बीज

कोलेजन को बढ़ाने के लिए आप अपनी डाइट में अलसी के बीज को भी एड कर सकते हैं।क्योंकि इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं जो कोलेजन को बूस्ट करता है और स्किन से जुड़ी समस्याओं को कम करता है।

दही भी बढ़ाता है कोलेजन

दही में मौजूद पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कैल्शियम, लैक्टिक एसिड और एंटीऑक्सीडेट्स कोलेजन को बढ़ाने में मदद करते हैं।

कोलेजन को बूस्ट करने के 10 आसान घरेलू तरीके हमने आपको बताएं जिन्हें डाइट में शामिल करने से आप अपनी स्किन में एजिंग साइन, एक्ने, झुर्रियों को कम कर सकते हैं।

गर्मियों में कॉटन के कपड़ों को धोने का सही तरीका जान लें, नहीं उतरेगा

गर्मियों में कॉटन के कपड़े खूब पसंद किए जाते हैं। इन्हें पहनने पर कंफर्टेबल फील होता है और गर्मी भी नहीं लगती है। लेकिन हमेशा इन्हें धोने के बाद इनका रंग फीका पड़ने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि कॉटन के कपड़े धोने का सही तरीका जान लें।

गर्मियों का मौसम शुरू हो गया है। इस उमस भरे मौसम में लोगों के खाने-पीने से लेकर पहनावे में भी बदलाव होता है। गर्मियों में पसीने और उमस की वजह से ज्यादातार लोग ऐसे कपड़ें पहनते हैं जो उन्हें गर्मी से बचाएं और पसीने को भी सोखे। ऐसे कपड़ों के लिए सबसे ज्यादा कॉटन फैब्रिक को पसंद किया जाता है। कॉटन एक ऐसा फैब्रिक है जो गर्मियों में पहनने के लिए बेस्ट माना जाता है। इसके कई प्रकार भी होते हैं। जैसे लिनेन कॉटन, प्योर कॉटन, मलमल कॉटन और मद्रास कॉटन।

गर्मियों में कॉटन के कपड़े पहनने में तो काफी मजा आता है। लेकिन जब इसे धोया जाता है तो ये अपना रंग छोड़ देता है और कपड़े बहुत जल्दी पुराने लगने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि कॉटन के कपड़ों को धोने का सही तरीका जाना जाए। चलिए आपको इस आर्टिकल में बताते हैं कि गर्मियों में कॉटन के कपड़े किस तरह धोए जो वो नए जैसे लगते रहें।

नया कॉटन कपड़ा खरीदने के बाद क्या करें?

नया कॉटन कपड़ा जब भी खरीदें, उसे पहनने से पहले धोना बहुत जरूरी है क्योंकि उस पर फैक्ट्री में कई तरह के केमिकल लगाए जाते हैं जो स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही रंग वाले कपड़े को पहली बार धोने से पहले ठंडे पानी में एक चम्मच नमक या आधा कप सफेद सिरका डालकर 1530 मिनट तक भिगोएं। ये प्रोसेस कपड़े के रंग को लॉक कर देती है और आगे चलकर रंग उतरने की पॉसिबिलिटी कम हो जाती है।

पानी का टैम्प्रेचर सही रखें

अगर आप चाहते हैं कि आपके कॉटन का कपड़े का रंग फीका न पड़े तो हमेशा सही तापमान के पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप ठंडे पानी का ही यूज करें गर्म पानी कॉटन के रेशों को कमजोर कर देता है और कपड़े सिकुड़ सकते हैं या उनका रंग भी उतर सकता है।

सही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें

कॉटन के कपड़े काफी नाजुक होते हैं। हार्श केमिकल वाला डिटर्जेंट रंगों को जल्दी उड़ा सकता है। इसलिए माइल्ड (हल्का), लिक्विड या हर्बल डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। अगर हाथ से धो रहे हैं, तो डिटर्जेंट को पहले पानी में अच्छे से घोल लें और फिर कपड़ा डालें।

कपड़े धोने का सही तरीका

कपड़ों को अलग-अलग रंगों के हिसाब से छांटें । जैसे डार्क और लाइट कलर्स को साथ में न धोएं। कॉटन के कपड़ों को ज्यादा जोर से न मले, इससे फाइबर कमजोर हो सकते हैं। अगर दाग हैं तो दाग वाले हिस्से को पहले हल्के से धो लें, फिर पूरा कपड़ा धोएं। मशीन से धो रहे हैं तो जेंटल मोड या डेलिकेट साइकिल का इस्तेमाल करें।

सुखाने का सही तरीका

कपड़ों को धूप में सीधा न सुखाएं । इससे रंग उड़ सकता है। कपड़ों को उल्टा (अंदर से बाहर) करके छांव में सुखाएं। कपड़ों को टांगने की बजाय अगर पॉसिबल हो तो फ्लैट सुखाएं ताकि उनका आकार न बिगड़े। सूखने के बाद कपड़ों को ज्यादा देर तक क्लिप से न लटकाएं वरना किनारे खिंच सकते हैं।

विटामिन सी फेस सीरम घर पर इस तरह करें तैयार, सबसे तेजी से बढ़ेगा कोलेजन

गर्मियों के मौसम में धूप, प्रदूषण के कारण स्किन खराब हो जाती है और दाग-धब्बे आने लगते है, मुहांसे और पिगमेंटेशन जैसी समस्याएं आने लगती हैं। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हम फेस सीरम लगा सकते हैं पर आप घर पर भी इन्हें बना सकते हैं।

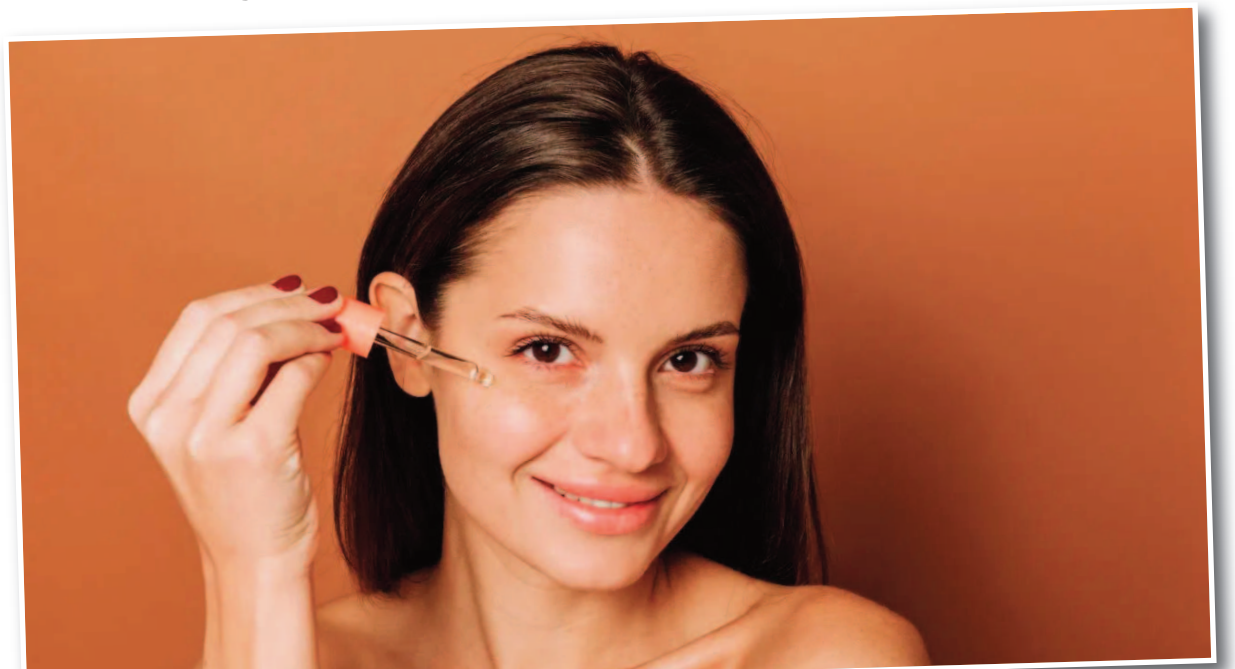

चेहरे का निखार बरकरार रखने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किए जाते हैं. पर मार्केट में मिलने वाले अधिकतर प्रोडक्ट्स में केमिकल जैसे पैराबेन, फास्फोरस मिला हुआ होता है। बिना एक्सपर्ट की सलाह के इन्हें चेहरे पर इस्तेमाल करने से फायदा कम नुकसान ज्यादा होता है। आजकल सोशल मीडिया की दुनिया में लोग इतना खो गए हैं कि जो भी स्किन केयर प्रोडक्ट फीड में आया उसे मंगाकर चेहरे पर लगाने लगते हैं और बाद में जब स्किन खराब हो जाती है तो उन्हें पछतावा होता है।

इन्हीं प्रोडक्ट्स में से एक फेस सीरम है जिसे लगाने के कई फायदे हैं। यह आपके चेहरे से दाग-धब्बों, पिगमेंटेशन को कम करता है और स्किन को बेदाग बनाता है। वैसे इसे पर क्या आप जानते हैं कुछ आसान तरीकों को अपनाकर आप घर पर ही नेचुरल प्रोडक्ट्स से फेस सीरम तैयार कर सकते हैं।

विटामिन सी वाले फेस सीरम के फायदे

विटामिन सी वाले फेस सीरम का इस्तेमाल करने से कोलेजन बढ़ाता है जो चेहरे से दाग-धब्बों और पिगमेंटेशन को कम करता है। विटामिन सी को स्किन ब्राइटनिंग में मदद करता है। अगर किसी को धूप या गर्मी से टैनिंग हो गई है उसे भी इस सीरम का यूज करना चाहिए। वैसे इस प्रोडक्ट्स को घर पर भी आसानी से बनाया जा सकता है।

घर पर कैसे बनाएं विटामिन सी फेस सीरम

सीरम बनाने के लिए विटामिन सी पाउडर चाहिए होगा। इसे बनाने के लिए संतरे, नींबू या दूसरी खट्टी चीजों के छिलकों को सूखाकर पाउडर बनाया जा सकता है। तैयार पाउडर को में गुलाब जल, विटामिन ई कैप्सूल और ग्लिसरीन को डालें और सारी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। इसे किसी छोटी कांच की बोतल में स्टोर कर लें जिसमें ऊपर ड्रॉपर लगा हो। आप इसके लिए घर पर रखी किसी पुरानी फेस सीरम की बोतल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस फेस सीरम को लगाने से आपकी स्किन में कोलेजन बढ़ता है और स्किन ग्लोइंग, स्मूथ लगती है।

फेस सीरम को कैसे लगाएं

फेस सीरम को लगाने के लिए रात का समय सबसे बेस्ट होता है। आप रात को सोने से पहले 2-3 ड्राप फेस सीरम को पूरे फेस पर लगा सकते हैं। इसे आप हफ्ते में 4 बार लगाएं। आपको कुछ दिन बाद से ही इसका असर दिखने लगेगा।

दिन में क्यों न लगाएं फेस सीरम

कई लोगों का मानना है कि दिन के समय भी विटामिन सी वाला फेस सीरम लगाना चाहिए ताकि स्किन ग्लोइंग और ब्राइट लगे। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो आपको विटामिन सी सीरम नहीं लगाना चाहिए। इसलिए दिन के समय कभी भी सनस्क्रीन के साथ फेस सीरम नहीं लगाना चाहिए क्योंकि यह आपकी स्किन को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाएगा।

वित्तीय फैसलों पर पत्नी से खुलकर करें बात, लक्ष्यों को दें प्राथमिकता

पति और पत्नी के बीच सामंजस्य के कई कारक होते हैं। अगर आपके अपने जीवनसाथी के साथ पैसों को लेकर आपका अच्छा तालमेल नहीं है तो आप अच्छे रिश्ते में नहीं हैं। इसलिए, पैसों के इस्तेमाल के साथ अन्य वित्तीय फैसले लेते समय पत्नी को भी विश्वास में लें और उनसे खुलकर बातचीत करें।

शादी एक निवेश की तरह है। यह एक लंबे समय तक चलने वाला और एक गंभीर मसला है। किसी भी निवेश की तरह, शादी में भी कुछ उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन अंततः आप एक-दूसरे से एक बंधन में बंधे होते हैं। मैंने ऐसे कई परिवारों को देखा है जो एक साथ खूब मौज-मस्ती करते हैं। खूब यात्रा करते हैं, लेकिन पैसे खर्च करने पर एक-दूसरे से बहुत कम बात करते हैं। एक दंपती होकर भी अगर पैसे के बारे में खुलकर बात नहीं करते तो आगे चलकर यह बड़े मनमुटाव का कारण बन सकता है।

हाल के दिनों में मेरे मित्र अजय के कुछ वित्तीय फैसले उनकी पत्नी आरती को अच्छे नहीं लगे। बेफिक्र होकर ज्यादा खर्च करने के उनके तरीकों ने मुझे भी परेशान किया, लेकिन मुझे पता था कि दोस्ती में अपनी सीमाएं होती हैं। मैंने आरती से सहजता से बात की तो उन्होंने बताया कि कैसे अजय बड़े वित्तीय फैसलों पर ठीक से ध्यान नहीं दे रहे थे। उनकी 20 साल की बेटी की कुछ वर्षों में शादी हो जाएगी और बेटा दो साल बाद कॉलेज में चला जाएगा। रिटायरमेंट के बारे में भी कोई प्लानिंग नहीं है, जिसके बारे में वह चिंतित रहती थीं। अजय वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता दिए बिना अपना जीवन बड़ी बेफिक्री से जी रहा था। अजय सिर्फ दिमागी गुणा गणित में विश्वास करते थे, जिसका मतलब था कि वह अक्सर मानते थे कि उनके पास वास्तव में जितना पैसा था, उससे कहीं अधिक पैसा है।

पैसा खर्च करने पर चर्चा को रहें तैयार

सभी पति-पत्नी को मेरा सुझाव है कि उन्हें पैसे खर्च करने पर चर्चा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपका जीवनसाथी मानता है कि आप आर्थिक रूप से मजबूत हैं और वह नौकरी छोड़ने का फैसला करता है, तो क्या आप वाकई इसके लिए तैयार हैं? या यदि आप कल अपना खुद का बिजनेस करने में हाथ आजमाने का निर्णय लेते हैं तो दोनों की मिली जुली राशि आपको इसकी अनुमति देती है?

सूची बनाकर कर सकते हैं अच्छी शुरुआत

स्वस्थ वित्तीय संबंध की अच्छी शुरुआत एक वित्तीय सूची बनाकर सकते हैं। मसलन, आपके पास क्या है, आप पर क्या बकाया है, कार्यस्थल पर आपको क्या लाभ मिलता है, आपके वित्तीय लक्ष्य और भविष्य की उम्मीदें क्या हैं आदि। इस बारे में सोचें कि आप साथ मिलकर क्या हासिल करना चाहते हैं। साझा जीवन में आगे बढ़ने पर आपको कैसे एडजस्ट करना होगा।

मनी मैटर में जब जीवनसाथी सहयोगी न हो

लेकिन, क्या होगा अगर आपका जीवन साथी इन मनी मैटर में सहयोग नहीं करता है? पति-पत्नी के रूप में आपके वित्तीय लक्ष्य समान होने चाहिए और इस पर मिलजुल कर फैसले लेने की जरूरत होती है। पैसे के बारे में एक-दूसरे से खुलकर बात करें। क्या आ रहा है और क्या जा रहा है। यहां तक कि ठीक से शादियां करने में भी कितना होम वर्क करना पड़ता है। खुले माहौल में बातचीत के साथ, एक रोडमैप बनाएं जो हर पार्टनर के लक्ष्यों और उनके पर्सनल हिस्ट्री पर भी विचार करे। जीवन की परिस्थितियों के कारण पैसे को लेकर हमारी प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है। लेकिन, एक टीम के रूप में एक साथ काम करने का कमिटमेंट, सफलता का मार्ग तो प्रशस्त ही करता है, साथ थी मन की शांति भी सुनिश्चित हो जाती है।

तुम्हारा, मेरा व हमारा बजट भी अच्छी आदत

'तुम्हारा, मेरा व हमारा' बजट बनाना भी अच्छी आदत है। यदि आप दोनों नौकरीपेशा हैं, तो आपको यह तय करने में मदद मिलेगी कि कौन कितना खर्च करेगा। यदि आपका साथी कमा नहीं रहा है, तो यह और भी महत्वपूर्ण है कि आप उनके साथ बिना कुछ छुपाये आमदनी साझा करें ताकि उन्हें पता चल सके कि आप वित्तीय रूप से कहां खड़े हैं। इससे उन्हें वास्तविक स्थिति जानने और अपनी वित्तीय अपेक्षाओं को समायोजित करने में मदद मिलेगी। अपने जीवनसाथी को इसमें शामिल कर परिवार के सभी वित्तीय निर्णयों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार मानेंगे और ऐसा करने से खुद को भी राहत महसूस होगी।

मिडिल ईस्ट के तनाव ने बिगाड़ा आपकी रसोई का बजट, आसमान छूने लगे खाने के तेल के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में लगातार गहराते युद्ध और तनाव का सीधा असर अब भारतीय रसोई तक पहुंच गया है। इस बार महंगाई की मार सिर्फ पेट्रोल-डीजल या एलपीजी गैस तक सीमित नहीं है, बल्कि किचन की सबसे जरूरी चीज यानी खाने का तेल भी तेजी से महंगा होने लगा है। भारत में सुबह के नाश्ते में बनने वाले पराठे हों, बाजार के समोसे-जलेबी हों या फिर रोजमर्रा की सब्जियां, हर चीज में कुकिंग ऑयल का भरपूर इस्तेमाल होता है। ऐसे में खाने के तेल की कीमतों में आ रहा यह उछाला सीधे तौर पर आम आदमी की जेब ढीली कर रहा है और घर का बजट बिगाड़ रहा है।

महज एक महीने में बेतहाशा बढ़ गए कुकिंग ऑयल के दाम

बाजार के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले एक महीने के भीतर खाने के तेल की कीमतों में साफ और बड़ा उछाल देखने को मिला है। 24 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच सूरजमुखी (सनफ्लावर) तेल की कीमत 175 रुपये से उछलकर 181 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं, पाम ऑयल 5 रुपये महंगा होकर 141 रुपये प्रति किलो के भाव पर आ गया है। इसके अलावा सोयाबीन तेल की कीमतों में भी 4 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि मूंगफली, वनस्पति और सरसों तेल के दाम करीब 3 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं।

लगातार बढ़ रही है खपत, आयात पर टिकी है भारत की निर्भरता

भारत में खाने के तेल का महत्व सिर्फ स्वाद बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर को जरूरी फैट, ऊर्जा और पोषण देने का भी एक अहम स्रोत है। देश में कुकिंग ऑयल की मांग तो तेजी से बढ़ रही है, लेकिन घरेलू उत्पादन उस रफ्तार से नहीं बढ़ पा रहा है। साल 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक, शहरी भारत में एक व्यक्ति सालाना औसतन 12 किलो और ग्रामीण इलाकों में करीब 11 किलो तेल की खपत करता है। इस विशाल मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपनी जरूरत का करीब 56 फीसदी तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है, जबकि सिर्फ 44 फीसदी हिस्सा ही घरेलू उत्पादन से आता है।

आयात का बढ़ता बिल और पाम ऑयल का सबसे बड़ा हिस्सा

आयात के आंकड़े इस निर्भरता की पूरी कहानी खुद बयां करते हैं। साल 2017 में भारत ने 11.8 अरब डॉलर का खाने का तेल आयात किया था, जो 2022 में बढ़कर 21.1 अरब डॉलर के भारी-भरकम आंकड़े तक पहुंच गया। हालांकि, 2025 में यह आंकड़ा थोड़ा घटकर 18.6 अरब डॉलर रहा। भारत द्वारा मंगाए जाने वाले कुल तेल में सबसे बड़ी हिस्सेदारी पाम ऑयल की है जो 41 फीसदी है। इसके बाद 35 फीसदी के साथ सोयाबीन तेल और 18 फीसदी के साथ सूरजमुखी तेल का नंबर आता है।

सरकार का दावा- सप्लाई पर नहीं है कोई खतरा, मिशन आत्मनिर्भर भी शुरू

कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने आम जनता को आश्वस्त किया है कि मौजूदा ईरान-इजरायल तनाव के बावजूद भारत में तेल की सप्लाई पर कोई बड़ा खतरा नहीं मंडरा रहा है। भारत केवल एक देश पर निर्भर नहीं है, बल्कि मलेशिया, इंडोनेशिया और अमेरिका जैसे कई देशों से तेल आयात करता है। ऐसे में किसी एक जगह से सप्लाई प्रभावित होने पर दूसरे विकल्प आसानी से मौजूद रहते हैं। इसके साथ ही, विदेशी निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए सरकार ने 'नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स-ऑयलसीड्स' की भी शुरुआत की है, जिसका मुख्य मकसद आने वाले वर्षों में देश के भीतर ही तिलहन और तेल का उत्पादन तेजी से बढ़ाना है।

ऐसे ही नहीं अमेरिका के सामने सीना तानकर खड़ा है ईरान, जंग में 20 साबित हुई तेहरान की स्ट्रैटजी!

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में इस वक्त ईरान माइंस लगा चुका है। तटों पर मिसाइलें तैनात कर दी गई हैं। ईरान ऐसी ही बाब अल मंदेब स्ट्रेट में भी करने की तैयारी में है। ताकि अमेरिका को जंग के दलदल में धंसाया जा सके। सवाल ये है कि आखिर बाब अल मंदेब स्ट्रेट कि इतनी अहमियत क्यों हैं तो उसे समझिए।

बाब अल मंदेब भी होर्मुज की तरह ही बेहद संकरा रास्ता है और तेल सप्लाई रूट के लिए बेहद अहम है। ये जलमार्ग यमन और जिबूती के बीच लगभग 26 किलोमीटर चौड़ा है और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर मौजूद है। बाब अल मंदेब को ईरान का दूसरा होर्मुज माना जाता है क्योंकि हूती की वजह से यहां भी ईरान का कंट्रोल है।

हर साल 20 हजार से ज्यादा जहाज इस रास्ते से गुजरते हैं। 2018

में यहां से हर दिन करीब 6।2 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद गुजरते थे,जो दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का करीब 9 प्रतिशत है।

हूती को धीरे से एक्टिव किया गया

बाब अल-मंदेब पर ईरान का प्रभाव काफी हद तक यमन के हूती के साथ मौजूदा रिश्ते पर निर्भर करता है। हूती उस इलाके के पास के क्षेत्रों को नियंत्रित करते हैं और पहले भी समुद्री यातायात को बंद करने की क्षमता दिखा चुके हैं।

हूती अब तक इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन उंगलियां ट्रिगर पर होने की धमकी दी थी। हूती के पास अब भी ड्रोन और मिसाइलों का बड़ा भंडार है। जो अमेरिका और इजरायल की मुश्किलें बढ़ा सकता है। ऐसे में हूती की मदद से ईरान बाब अल मंदेब स्ट्रेट में होर्मुज वाली स्थिति लाने में सक्षम है

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है।।उन्होंने कहा है कि अगर ईरान के आईलैंड खर्ग पर अमेरिका ने हमला करना नहीं छोड़ा तो होर्मुज स्ट्रेट की तरह की बाब अल मंदेब भी ईरान बंद कर देगा...बाब अल मंदेब भी होर्मुज की तरह ही बेहद संकरा रास्ता है और तेल सप्लाई रूट के लिए बेहद अहम है ।।इस धमकी के मायने क्या है ?

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज लगभग ठप है, इसलिए बाब अल-मंदेब खाड़ी देशों के लिए और भी अहम हो गया है। अगर ईरान इसे बंद कराने में कामयाब हो गया तो ट्रंप की मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी।

बाब अल मंदेब क्यों है अहम?

बाब अल मंदेब दुनिया के 12 फीसदी तेल निर्यात करता है। ऐसे में अगर ईरान ने इसे बंद कर दिया तो फिर दुनिया खासकर यूरोप में तबाही मच जाएगी। ये इतना अहम क्यों हैं?

बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को हूती के जरिए बंद करवाया जाएगा, जिससे तेल रूट बंद हो सकेगा। तेल रूट बंद होते ही दुनिया में तेल के लिए हाहाकार मचेगा। ईरान इस तरह से अमेरिका पर दबाव बनाने के प्लान पर काम कर रहा है। तेल रूट बंद होने से अरब देश भी अमेरिका से नाराज हो सकते हैं। यानी ट्रंप पर जंग खत्म करने और ईरान की शर्तें मानने का दबाव बढ़ जाएगा।

ईरान जानता है कि अमेरिका के साथ जंग लंबी खींची तो ईरान को बड़ा नुकसान हो सकता है। ऐसे में होर्मुज के बाद बाब अल मंदेब स्ट्रेट को बंद कर वो ट्रंप पर वैश्विक दबाव बनाना चाहता है, तो वहीं अमेरिका खर्ग पर कब्जा कर ईरान को बैकफुट पर धकेलने के मिशन पर काम कर रहा है। ऐसे में समंदर में छिड़ी ये जंग दुनिया में महाविनाश का एपीसेंटर बन सकती है।

लाल सागर पर भी ईरान की नजर

लाल सागर सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग में से एक है। ये यूरोप को अरब देशों से जोड़ता है। यूरोपीय देशों से जहाज भूमध्य सागर होते हुए। स्वेज कैनाल के जरिए लाल सागर में दाखिल होते हैं। इससे आगे कार्गो शिप अदन की खाड़ी पार करके अरब सागर में एंट्री लेते हैं और वहां से होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते हुए फारस की खाड़ी से अरब मुल्कों तक पहुंचते हैं।

दुनिया की फिक्र इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि ईरान ने जैसी धमकी दी थी वैसा ही हो भी रहा है। अरब देशों ईरान के हमले तेज हैं और ईरानी मिसाइल अरब के ऊर्जा क्षेत्र को भी निशाना बनाने से गुरेज नहीं कर रहे। ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने तब तक युद्ध लड़ने का फैसला किया है, जब तक कि ईरान के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा हमेशा के लिए खत्म नहीं हो जाता।

ईरान के ट्रैप में फंस गया यूएस

IRGC के पूर्व कमांडर मोहसिन रेजाई का कहना है- ये युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी नुकसानों की भरपाई नहीं हो जाती, सभी आर्थिक प्रतिबंध नहीं हटा दिए जाते और ये गारंटी नहीं मिल जाती कि अमेरिका ईरान के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। ये हमारे राष्ट्र, हमारे नेता और हमारी सेनाओं का निर्णय है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक- IRGC ने तेल अवीव और अमेरिका की मदद कर रहे अरब देशों में विध्वंसक तबाही मचाने की रणनीति तैयार की है। ये ऐसा हमला होगा, जिससे बातचीत और समझौते की संभावना पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

ईरान की युद्धनीति ने अमेरिका को फंसा दिया है। क्या अब अमेरिका पर जंग खत्म करने का दबाव बढ़ेगा। क्योंकि तेल निर्यात के दो रूट बंद होने से हालात खराब होंगे। क्या ये दुनिया को महाजंग की ओर ले जाएगा? ईरानी सेना की जो तैयारी है, वो इस बात का ऐलान कर रही है कि IRGC हर स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रंप और उनकी सेना के लिए ये युद्ध बहुत ही भारी पड़ रहा है। ऐसे में अब बाब अल मंदेब स्ट्रेट को लेकर ईरान के तेवर ट्रंप और उनकी सेना के लिए शुभ संकेत नहीं है।

जंग के बीच नेतन्याहू के सामने खड़ा हुआ संकट, IDF चीफ के बयान ने खोल दी आंखें!

यरुशलम, एजेंसी। ईरान से जंग के बीच इजराइल डिफेंस फोर्स के प्रमुख ने कैबिनेट मीटिंग के दौरान अपने एक बयान से सबको सन्न कर दिया। मीटिंग में डिफेंस फोर्स के प्रमुख इयाल जमीर ने कहा- ईरान जंग के दौरान जिस तरह के हालात हैं, उससे आने वाले वक्त में हमारी सेना कोलेप्स कर जाएगी। कैबिनेट की इस मीटिंग में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इसराइल केंट भी मौजूद थे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक जमीर ने अपने संबोधन के दौरान कहा- हम जल्द खत्म होने वाले हैं। क्योंकि, एक तरफ परिचालन की मांगें बढ़ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ हम जनशक्ति की कमी से जूझ रहे हैं। इसे तुरंत ठीक करना होगा।

जमीर ने कैबिनेट बैठक में कहा- मैं आपके सामने अभी तुरंत 10 खतरों को उठा रहा हूं। इसे ठीक नहीं किया गया तो आप समझ लीजिए कि सेना कोलेप्स कर जाएगी। अभी इसकी जिम्मेदारी लेने का वक्त है। जमीर के मुताबिक रिजर्व सैनिकों से लंबे वक्त तक जंग नहीं लड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ को अनिवार्य सैन्य सेवा कानून और आरक्षित सेवा कानून और अनिवार्य सेवा अवधि बढ़ाने वाले कानून की जरूरत है। इजराइल के रक्षा मंत्री का स्पष्ट संदेश था कि जो लोग इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं, उसके लिए सदन से कानून पारित कराया जाएगा। दरअसल, इजराइल के हरेदी समुदाय ने सेना में शामिल होने का विरोध जताया है। इसके कारण अनिवार्य कानून पर पेंच फंसा है।

ईरान की 'जुल्फिकार' मिसाइल का कहर, 400 से ज्यादा बैलिस्टिक हमलों से दहला इजराइल और अमेरिकी बेस

तेहरान, एजेंसी। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के 28वें दिन ईरान ने इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर 400 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इनमें जुल्फिकार मिसाइल सबसे घातक और 'हार्ड टू इंटरसेप्ट' साबित हुई है। IRGC (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) ने Operation True Promise-4 की 76वीं, 77वीं और 82वीं वेव में जुल्फिकार, मिसाइल को खासतौर पर तैनात किया, जिससे इजराइल के तेल अवीव, हाइफा और दिमोना जैसे इलाकों में नुकसान पहुंचा है।

जुल्फिकार, फतेह-110 परिवार की एडवांस मिसाइल है, जिसका नाम हजरत अली की तलवार 'जुल्फिकार' से लिया गया। 2016 में लॉन्च के बाद इसे IRGC एयरोस्पेस फोर्स ने विकसित किया है। जंग में शामिल

होने के बाद ये मिसाइल इजराइल में तबाही मचा रही है।

जुल्फिकार की खासियत

रेंज- 700 किलोमीटर (कुछ वेरिएंट में 1,000 किमी तक)

लंबाई- 10।3 मीटर

लॉन्च वजन- 4615 किलोग्राम

वारहेड- 450-600 किलोग्राम (हाई-एक्सप्लोसिव या क्लस्टर मुनिशन)

प्रोपल्शन- सिंगल-स्टेज सॉलिड फ्यूल (ठोस ईंधन) — लॉन्च होने में सिर्फ कुछ मिनट लगते हैं

गाइडेंस- INS + GPS, सटीकता 10-100 मीटर CEP

सबसे खास- मिड-कोर्स फेज में वारहेड अलग हो जाता है, जिससे रडार ट्रैकिंग और इंटरसेप्शन (Arrow, Patriot या THAAD सिस्टम द्वारा रोकना) बेहद मुश्किल हो जाता है।

Zolfaghar Basir इसका नेवल/एंटी-शिप वेरिएंट, जो होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को निशाना बनाने के लिए ऑप्टिकल सीकर से लैस है। युद्ध में गल्फ क्षेत्र के US बेस अल धफरा, विक्टोरिया, पांचवीं फ्लीट पर इसी का इस्तेमाल हुआ।

डेजफुल ने भी दिखाया दम

ईरान की दूसरी खतरनाक बैलेस्टिक मिसाइलें भी मैदान में आतंक मचा रही हैं। जिन्हें रोकने में Arrow missile defense system, Patriot missile system और THAAD जैसे एयर डिफेंस सिस्टम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। Zolfaghar के अलावा प्रमुख एडवांस्ड मिसाइलें जो सॉलिड-फ्यूल, मोबाइल और हाई-स्पीड हैं।

डेजफुल मिसाइल की खासियत

प्रकार- MRBM

रेंज- 1000 किमी

वारहेड- 600 किलोग्राम

फ्यूल- सॉलिड फ्यूल

यह Zolfaghar missile का अपग्रेडेड और लंबी दूरी वाला वर्जन है।

सॉलिड फ्यूल होने के कारण बहुत तेजी से लॉन्च किया जा सकता है।

हाई-स्पीड और लो-रिएक्शन टाइम, जिससे दुश्मन को प्रतिक्रिया का समय कम मिलता है।

बेहतर रेंज के कारण यह पूरे खाड़ी क्षेत्र और इजराइल के बड़े हिस्से को कवर करता है।

इस्तेमाल- लंबी दूरी के स्ट्राइक मिशन और दुश्मन के डिफेंस एस्टेब्लिशमेंट पर हमला, लॉजिस्टिक हब जैसे टारगेट्स पर हमला गल्फ बेस और इजराइल के दक्षिणी इलाकों पर हमले।

इन मिसाइलों के अलावा हज कासिम मिसाइल भी गहरे सैन्य ठिकानों पर सटीक वार कर रही है। साथ ही ईरान की खैबर शेकन मिसाइल, जो नई जनरेशन की हाई प्रिसीजन स्ट्राइक करने वाली इस्तेमाल की जा रही है। न्यू जनरेशन मिसाइल सिस्टम होने की वजह से इसमें बेहतर गाइडेंस और सटीकता है।

सभी मिसाइलें मोबाइल TEL (ट्रांसपोर्टर-एरेक्टर-लॉन्चर) पर हैं, जिससे इजराइल-अमेरिकी हमलों के बावजूद ईरान उन्हें छिपाकर लॉन्च कर पा रहा है।

92 फीसद मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने का दावा

इजराइल का दावा है कि 92 फीसद मिसाइलें इंटरसेप्ट की गईं, लेकिन ईरान की बैलेस्टिक मिसाइलों ने डिफेंस सिस्टम पर भारी दबाव डाला है और इसी वजह से ये युद्ध लंबा भी हो गया है। US और इजराइल ने ईरान के Khojir जैसे सबसे महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन केंद्र पर हमला भी किया है। फिर भी ईरान हमले जारी रखे हुए है। ट्रंप ने एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला 10 दिन और टाल दिया है, लेकिन ईरान की बैलेस्टिक मिसाइलों ने युद्ध को 'प्रोलॉन्ग्ड' बना दिया है।

कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा, जयराम रमेश बोले– भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता हुई कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में तेल और गैस की उपलब्धता को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि बीते एक दशक में भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि 2014-15 से 2024-25 के बीच कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता 84% से बढ़कर 90% हो गई है, जबकि एलपीजी आयात 46% से बढ़कर 62% तक पहुंच गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस गैस का वादा किया गया था, वह अब तक सिर्फ वादा ही बनी हुई है।

रमेश ने प्राकृतिक गैस के मुद्दे पर भी सवाल उठाते हुए 2005 में गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (GSPC) द्वारा कृष्णा-गोदावरी बेसिन में बड़े गैस भंडार की खोज के दावे का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में 2011 से 2016 के बीच नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्टों में इसे 20,000 करोड़ रुपये का घोटाला बताया गया, जिसे बाद में ओएनजीसी में विलय कर छिपाया गया।

सरकार क्या कर रही दावा?

इधर, पेट्रोल पंपों और एलपीजी एजेंसियों पर लंबी कतारों की खबरों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए किसी भी तरह की कमी से इनकार किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश में करीब 60 दिनों का कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है और एक महीने की एलपीजी सप्लाई सुनिश्चित की गई है। मंत्रालय ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक है और कहीं भी पेट्रोल-डीजल की राशनिंग नहीं हो रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने भी सप्लाई सामान्य रहने का दावा किया है। वहीं, विपक्ष ने संसद परिसर में एलपीजी आपूर्ति को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें पश्चिम एशिया के हालात के बीच तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

J-K विधानसभा में लहराई गई खामेनेई की तस्वीर, बीजेपी और कांग्रेस विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उस वक्त माहौल गरमा गया जब कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। यहां कांग्रेस के कुछ विधायक पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इस पर भाजपा के विधायक भड़क गए और जवाबी नारे लगाने लगे। यहां स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब बीजेपी के कुछ विधायकों ने राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। विधानसभा में बढ़ते हंगामे को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों को बीच-बचाव करना पड़ा, जिसके बाद किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया गया।

आज यहां बजट सेशन शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। भाजपा विधायकों ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के बैनर लहराए। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी विधायक अयातुल्लाह खामेनेई के तस्वीर और ईरान के बैनर लहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक तनवीर सादिक ने काले कपड़े पहना हैं और माथे पर कुछ लिखा हुआ है। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के खिलाफ भाजपा विधायक लगाया जम्मू को इंसाफ दो के नारे लगा रहे हैं। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को लेकर मांग बीजेपी विधायक उठा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक इजराइली मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं।

इन परियोजनाओं को मंजूरी

जम्मू और कश्मीर कैबिनेट ने गुरुवार को कई विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनका मकसद पूरे केंद्र शासित प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सेवाओं और संस्थागत क्षमता को मज़बूत करना है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सरकारी आवास पर हुई यह बैठक करीब एक घंटे तक चली।

इस बैठक का मुख्य जोर विकास की गति तेज करने, सेवाओं की डिलीवरी बेहतर बनाने और संतुलित विकास सुनिश्चित करने पर था। यहां कैबिनेट ने दो सीवरेज और ड्रेनेज परियोजनाओं को मंजूरी दी है। कठुआ के लिए 44 करोड़ रुपये और पंपोर के लिए 24 करोड़ रुपये। आवास और शहरी विकास विभाग द्वारा लागू की जाने वाली इन परियोजनाओं से घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़कर साफ-सफाई की स्थिति में सुधार होगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन को मिली नई रिलीज तारीख, 28 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी समय से अपनी आगामी फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले आधिकारिक पोस्ट में बताया गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। पहली बार होगा जब सिद्धार्थ के साथ फिल्म में तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। अब निर्माताओं की ओर से वन की नई रिलीज तारीख का खुलासा कर दिया है। दरअसल पहले इसे 15 मई को रिलीज किया जाना था।

निर्माताओं ने वन का पोस्टर जारी किया है और बताया है कि फिल्म अब 28 अगस्त, यानी रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के सहयोग से हुआ है। इसकी शूटिंग मध्य भारत के घने जंगलों में की गई है, जबकि कहानी गुप्त मंदिरों और प्राचीन लोककथाओं पर आधारित बताई जाती है।

इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फ्रेश जोड़ी है। दोनों को पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा। सिद्धार्थ, जिन्हें हाल ही में एक्शन अवतार में देखा गया था, इस बार एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे जो तर्क और अलौकिक शक्तियों के बीच फंसा हुआ है। वहीं, तमन्ना भाटिया का किरदार भी काफी रहस्यमयी और शक्तिशाली बताया जा रहा है।

रक्षाबंधन की छुट्टी पर फिल्म को रिलीज करने का फैसला काफी सोच-समझकर लिया गया है। त्योहारों के सीजन में अक्सर बड़ी फिल्मों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वीवन जैसी थ्रिलर फिल्म को फैमिली ऑडियंस के साथ-साथ युवाओं का भी भरपूर साथ मिलने की उम्मीद है।

सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा इस फिल्म में सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और मनीष पॉल जैसे मंझे हुए कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुल मिलाकर, वीवन न केवल एक रोमांचक फिल्म होने का वादा करती है, बल्कि भारतीय जड़ों से जुड़ी कहानियों को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी है।

दुनियाभर में धुरंधर 2 का आया सैलाब, 6ठे दिन टूटे चार फिल्मों के तगड़े रिकॉर्ड

रणवीर सिंह स्टारर और आदित्य धर निर्देशित धुरंधरः द रिवेंज या धुरंधर 2 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी। जबकि 18 मार्च को इसके पेड प्रीव्यू दिखाए गए थे। 2025 की ब्लॉकबस्टर फ़िल्मि धुरंधर की इस सीक्वल ने रिलीज़ के बाद से ही बॉक्स ऑफ़िस पर गर्दा उड़ाया हुआ है। ये फिल्म देश और दुनियाभर में रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। यहां तक कि रिलीज के छठे दिन भी इस फिल्म ने धुआंधार कमाई कर फिर इतिहास रच दिया है। चलिए यहां जानते हैं धुरंधर 2 ने वर्ल्डवाइड 6 दिनों में कितना कलेक्शन कर डाला है?

धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस पर सैलाब आया हुआ है। ये फिल्म इतनी स्पीड से हर दिन भारी-भरकम कलेक्शन कर रही है कि इसने हर किसी को हैरान कर दिया है। फिलहाल दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' छाई हुई है। इसके छठे दिन के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक धुरंधर 2 ने विदेशों में कुल 231.57 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन बढ़कर 919.00 करोड़ हो गया है।

धुरंधर 2 ने दुनियाभर में 919 करोड़ के ग्रॉस कलेक्शन के साथ चार फिल्मों को मात दे दी है और वर्ल्डवाइड हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की टॉप 5 लिस्ट में पहुंच गई है। बॉलीवुड हंगामा के आंकड़ो के मुताबिक धुरंधर 2 ने रणबीर कपूर की फ़ल्मि एनिमल की लाइफ़टाइम कमाई को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 2023 में दुनिया भर में कुल 917 करोड़ रुपये कमाए थे।इसके साथ ही इसने सलमान खान की बजरंगी भाईजान के वर्ल्डलाइड लाइफटआइम कलेक्शन 918.18 करोड़ को भी मात दे दी है।

इस फिल्म ने अपनी रिलीज के छठे दिन, यानी मंगलवार को 56।55 करोड़ रुपये का भारत में नेट कलेक्शन किया है। एंटरटेनमेंट ट्रैकिंग पोर्टल सैकनिल्क के मुताबिक इसके साथ ही इसकी घरेलू नेट कमाई भारत में 575.67 करोड़ रुपये हो गया है।

धुरंधर 2 ने महज रिलीज के 6 दिन में 9 सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और ये ऐसा करने वाली सबसे तेज फिल्म बन गई है। इसी के साथ अब ये 1000 करोड़ी बनने से इंचभर दूर है। फिल्म की कमाई की रफ्तार को देखते हुए लग रहा है कि ये दूसरे वीकेंड से पहले इस उपलब्धि को हासिल कर लेगी। इसी के साथ ये अपने प्रीक्व के रिकॉर्ड को तोड़ने के भी करीब पहुंच जाएगी। बता दें कि धुरंधर 2 के पहले भाग ने कुल 1300 करोड़ रुपये कमाए थे, और उम्मीद है कि इसका सीक्वल अपने दूसरे वीकेंड में इसे पीछे छोड़ देगा।

'विरोश' की शादी को हुआ एक महीना; कपल ने फंक्शन को खास बनाने वाली महिलाओं का शुक्रिया अदा किया

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में शादी रचाई। कपल के विवाह को आज एक महीना पूरा हो गया है। ऐसे में दोनों ने उन महिलाओं के नाम एक पोस्ट लिखा है, जिन्होंने शादी को खूबसूरत बनाने में मदद की।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका की शादी को आज 26 मार्च को एक महीना पूरा हो चुका है। पहली मासिक वेडिंग एनिवर्सरी पर कपल ने उन महिलाओं के नाम एक दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा है, जिन्होंने इस वेडिंग को रॉयल बनाया। मेकअप से लेकर ज्वैलरी, वेन्यू, दावत, मेहमानों की लिस्ट और व्यवस्था से लेकर हर चीज का ख्याल रखा। विजय ने यह खुलासा भी किया कि उन्होंने अपने रिसेप्शन में अपनी दोस्त ऐश्वर्या की ज्वैलरी से अपना लुक कंपलीट किया था और इस तरह उन्होंने ऐश्वर्या का शुक्रिया अदा किया था।

शादी को खास बनाने वाली महिलाओं पर विजय ने लुटाया प्यार

विजय देवरकोंडा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ लिखा है, 'शादी को एक महीना हो गया। हम सभी की जिंदगी में कुछ बड़े पल आते हैं। आप इनकी तैयारी सही तरीके से करते हैं, तो इसकी यादें हमेशा आपके साथ रहेंगी और आपको व आपके आस-पास के सभी लोगों को खुशियां देंगी। और, मैं हमेशा यही सुनिश्चित करना चाहता हूं। और, अब जब मैं और रुशी (रश्मिका मंदाना) काम पर वापस लौट रहे हैं तो मैंने सोचा कि कुछ पल निकालकर उन महिलाओं को प्यार दूं, जिन्होंने मेरी और मेरे आस-पास के सभी लोगों की शादी खुशियों भरी हो।

विजय-रश्मिका की खास ज्वैलरी के पीछे किसका हाथ?

विजय ने लिखा, 'मेरी ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता और टीम का शुक्रिया। मुझे बस कुछ कहना होता था और वे उसे हकीकत में बदल देते थे। मैंने उनसे कभी एक बार भी 'यह मुमकिन नहीं है' जैसा शब्द नहीं सुना। मैंने उनसे ऐसी चीजें बनाने को कहा, जो सिर्फ मेरे ख्यालों में थीं और जिन्हें कोई और बना भी नहीं रहा था। और, वे सबसे खूबसूरत स्केच लेकर वापस आए, जो मेरे सपनों से भी ज्यादा खूबसूरत थे। उन्होंने सपने को हकीकत में बदल दिया। अर्पिता, तुमने कुछ बहुत ही खास किया है, और मेरे दिल में तुम्हारे लिए बहुत सारा प्यार है। रश्मिका ने भी अर्पिता का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा है, 'हमारे पास कुछ आइडिया थे और सिर्फ एक मीटिंग में ही तुमने उन सबको हकीकत बना दिया। तुमने हमारे सपनों को सच कर दिखाया। हमारे आइडिया बहुत अलग तरह के थे, लेकिन तुमने कभी मना नहीं किया। तुम्हारी शुक्रगुजार हूं।

विजय ने इस अंदाज में किया ऐश्वर्या का शुक्रिया अदा

विजय ने आगे लिखा है, 'मेरी दोस्त ऐश्वर्या। हर किसी को एक ऐसी दोस्त मिलनी चाहिए। वह सचमुच एक आशीर्वाद है। मेरे बिना कहे भी, जिस पल मैंने शादी करने का फैसला किया, तब से लेकर अब तक वह हर पल मेरे साथ रही, ताकि यह तय हो सके कि मैं और रश्मिका खूब एंजॉय करें। घूमने-फिरने से लेकर शादी का वेन्यू, चुनने तक, खाने का स्वाद चखने तक, इस सब के दौरान मस्ती में झूमने तक, कपड़ों को हकीकत में बदलने तक, ज्वेलरी, शादी के कार्ड, निमंत्रण, डेकोरेशन, सफर, हमने जो कुछ भी किया, वह हर कदम पर हम दोनों के साथ खड़ी रही। उसे शुक्रिया कहने के लिए शब्द काफी नहीं हैं, इसलिए मैंने तय किया कि शादी के जश्न के आखिरी दिन यानी रिसेप्शन के दिन, मैं जो भी ज्वेलरी पहनूंगा, वह उसी की होगी। इसलिए मैंने उसकी पायल को अपने गले के हार की तरह पहना, उसकी एक और पायल को कंगन की तरह पहना और एक पायल को पैरों में पायल की तरह ही पहना। इस तरह, मैं उसे अपने इस जश्न का एक हमेशा-हमेशा के लिए यादगार हिस्सा बना सका।

रश्मिका ने भी लुटाया ऐश्वर्या पर प्यार

रश्मिका ने अपने पोस्ट में ऐश्वर्या कोल्ला को टैग करते हुए लिखा है, 'तुम्हारे लिए मेरे दिल में जो शुक्रगुजारी, प्यार और तारीफ है, उसके आगे 'थैंक यू' शब्द कुछ भी नहीं हैं। तुम सचमुच इतने वर्षों से मेरे लिए हिम्मत और सहारा बनी रही हो। ऐसे तरीकों से, जिनके बारे में हम सबके सामने बात नहीं कर सकते और यह शादी इतनी शानदार इसलिए हुई, क्योंकि तुम साथ थीं। जिन दिनों मुझे लगता है कि कोई मेरी बात नहीं समझ रहा, तो मेरा हाथ अपने आप फोन की तरफ बढ़ता है ताकि मैं तुम्हें कॉल कर सकूं। और, तुम हमेशा मेरे लिए मौजूद रहती हो। न जाने कैसे, सब कुछ आसान हो जाता है। मैं शुक्रगुजार हूं कि तुम मेरी जिंदगी में हो। तुम्हारी वजह से जिंदगी बहुत, बहुत, बहुत ज्यादा मजेदार हो गई है'।

इस महिला के बिना नहीं हो पाती शादी

विजय आगे लिखते हैं, 'हमारी वेडिंग प्लानर प्रिया। वे वेडिंग प्लानर के तौर पर हमारी जिंदगी में आईं, लेकिन बहुत जल्द ही हमारा दायां हाथ बन गईं और परिवार का ही एक हिस्सा बन गईं। मैं और रुशी अपनी बातचीत में कई बार यह कहते हैं कि,'प्रिया के बिना यह शादी वैसी नहीं हो पाती, जैसी यह हुई है। प्रिया, हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं और यह जान लो कि अब से हमारे हर जश्न की प्लानिंग करने की जिम्मेदारी तुम्हारी ही होगी'। रश्मिका ने भी प्रिया के लिए लिखा है, 'हमारे साथ जुड़ने के लिए शुक्रिया और अब परिवार का हिस्सा हो, इसलिए पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। हम कुछ जादुई सा बनाना चाहते थे और तुमने बिल्कुल वैसा ही किया। हर चीज एकदम परफेक्ट। तुमने अपने काम में हमारे लिए जो प्यार डाला, वह साफ-साफ दिखाई दे रहा था। हमारे परिवार और दोस्तों में से हर किसी को तुम्हारा काम और तुम्हारी पूरी टीम बहुत पसंद आई।

'आपके बिना यह शादी नहीं होती'

रश्मिका मंदाना ने लिखा है, 'मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि शादी को एक महीना हो गया है। शादी करना तो बहुत दूर की बात लगती थी और अब हमारी शादी को एक महीना हो गया है। यह तो कमाल की बात है। उन सभी का शुक्रिया, जिन्होंने हमसे कहा 'ये दिन आपके हैं। सब कुछ भूल जाइए और खूब एंजॉय कीजिए। हमने ठीक वैसा ही किया, आप सबके बिना यह शादी वैसी नहीं होती। यह उन सबसे खूबसूरत महिलाओं के लिए है जो मेरी जिंदगी में हैं, जो मुझे शांत और जमीन से जुड़ा रखती हैं। यह मेरी छोटी सी दुनिया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com